● वर्ष-3
● अंक-244
रायपुर, बुधवार
22 मई 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगछध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6›› आप भी रोजाना सुबह चाय....

खरगे ने चंडीगढ़ में दोहराई कांग्रेस की 'गारंटी', कहा-

चुनाव जीतने पर बैठकर पीएम के नाम पर फैसला करेंगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को मौजूदा लोकसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक के बहुमत हासिल करने की स्थिति में प्रधानमंत्री तय करने की व्यवस्था के सवाल पर एक बयान दिया। खरगे ने चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा कि अगर इंडिया ब्लॉक चुनाव जीतता है, तो उसके साथी बैठेंगे और पीएम के नाम पर फैसला करेंगे। विपक्षी गुट की जीत की स्थिति में प्रधान मंत्री को चुनने की व्यवस्था न केवल राजनेताओं बल्कि आम जनता के बीच सबसे अधिक चर्चित प्रश्न बनी हुई है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा. खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी झूठ फैलाते हैं कि कांग्रेस जातीय जनगणना कराएगी और लोगों के गहने, जमीन और भैंसें छीन लेगी। कांग्रेस प्रमुख ने पूछा कि हमने इतने सालों तक शासन किया, क्या हमने कभी किसी का मंगलसूत्र छीना?

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी समझ गए हैं कि इस बार बीजेपी सरकार नहीं बनाने वाली है, इसलिए वह झूठ बोल रहे हैं। खड़गे ने लोगों से इंडिया ब्लॉक के पक्ष में वोट करने का अनुरोध करते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि आप इंडिया को भारी बहुमत दें। इस बार एकजुट होइये और देश में शांति, समृद्धि और एकता लाइये।

कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी घोषणा पत्र के जरिए किए गए वादों को दोहराते हुए कहा कि हम 5 न्याय और 25 गारंटी को पूरा करेंगे. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर गरीब परिवार की एक महिला को सालाना 1 लाख रुपये, 30 लाख सरकारी नौकरियां, मनरेगा के तहत 400 रुपये की दैनिक मजदूरी, 10 किलो अनाज मुफ्त देगी। इसके अलावा, खड़गे ने कहा कि कांग्रेस आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का वेतन दोगुना करेगी और हरियाणा में 2 लाख रिक्त पद भरेगी।

नेहरू को आरक्षण नहीं मिलने देते-मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू पर वंचित जातियों के लिए आरक्षण का विरोध करने का आरोप लगाया। बिहार के मोतिहारी में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधा मंत्री ने कहा कि अगर बाबा साहेब अंबेडकर नहीं होते, तो नेहरू कभी भी एससी, एसटी और ओबीसी के लिए कोटा पर सहमत नहीं होते। नेहरू ने अपने पत्रों में इस मुद्दे पर अपने विचार स्पष्ट कर दिए थे।

लगातार प्रधानमंत्रियों के तहत यह कांग्रेस की विशेषता रही है। चाहे इंदिरा गांधी हों या राजीव गांधी, सभी ने आरक्षण का विरोध किया। एससी, एसटी और ओबीसी को कांग्रेस से कभी सम्मान नहीं मिला। मोदी ने कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन पर यह झूठ फैलाने का आरोप लगाया कि भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटने पर संविधान में बदलाव करके कोटा खत्म कर सकती है। सच तो यह है कि हम वंचित जातियों के अधिकारों की रक्षा करते आये हैं. यह केवल भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ है कि एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकार सुरक्षित हैं।

प्रधानमंत्री ने विपक्षी भारत गुट पर धर्म के आधार पर आरक्षण लाभ देने की योजना बनाने का भी आरोप लगाया। मोदी ने कहा कि वे ऐसा करना चाहते हैं क्योंकि अब उनके पास सिर्फ एक वोट बैंक बचा है। उन्हें अब एससी, एसटी और ओबीसी का समर्थन नहीं है, इसलिए वे अब केवल वोट जिहाद करने वालों की परवाह करते हैं। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान, मोदी ने बार-बार कांग्रेस पर धर्म के आधार पर एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों के लिए आरक्षण देने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

इस्कॉन, रामकृष्ण मिशन और भारत सेवा आश्रम को लेकर ममता को मोदी ने फंसा दिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राज्य की ममता सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बंगाल की मुख्यमंत्री रामकृष्ण मिशन, भारत सेवा आश्रम और इस्कॉन के लोगों को खुलेआम धमकी दे रही है। वो सिर्फ अपने मदताताओं को खुश करने के लिए ऐसा कर रही है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और उसकी सुप्रीमो ममता बनर्जी डैमेज कंट्रोल मोड में आ गई है। मुर्शिदाबाद में सेवाश्रम संघ की बेलडांगा शाखा के सचिव स्वामी प्रदीप्तानंद महाराज उर्फ कार्तिक महाराज ने ममता को एक कानूनी नोटिस भेजा, जिसमें उन्होंने सम्मानित संस्थान की छवि खराब करने के लिए बिना शर्त माफी की मांग की है। स्वामी विवेकानन्द द्वारा स्थापित सेवाश्रम और रामकृष्ण मिशन दोनों को राज्य भर में व्यापक रूप से सम्मान दिया जाता है, ऐसे व्यक्ति जिन्होंने या तो दीक्षा ली है या उनके द्वारा संचालित स्कूलों में पढ़ाई की है, वे कई परिवारों में फैले हुए हैं। पुरुलिया में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए, मोदी ने लोगों से कहा कि वे टीएमसी सरकार को मतपेटी के माध्यम से सबक सिखाएं, ताकि वह भविष्य में ऐसे सामाजिक-धार्मिक संगठनों का अपमान करने की हिम्मत न कर सके।

दिल्ली के नजफगढ़ में तापमान 47.4 डिग्री

नई दिल्ली। दिल्ली के कई हिस्सों में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर गया, मौसम विभाग ने कहा है कि पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पश्चिम राजस्थान, पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों, पश्चिम के कुछ हिस्सों में लू से लेकर गंभीर लू चलने की संभावना है। इसमें कहा गया है कि 24 मई तक पूर्वी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी मध्य प्रदेश, ओडिशा, गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ के कुछ हिस्सों में भी लू चलने की संभावना है। सोमवार को, दिल्ली में मौसम कार्यालय ने राष्ट्रीय राजधानी में लू से भीषण लू की स्थिति के कारण अगले पांच दिनों के लिए %रेड अलर्ट% जारी किया। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित पालम स्टेशन पर 26 मई 1998 को अधिकतम तापमान 48.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया

गया था। पालम के पास 1956 से पहले के रिकॉर्ड हैं। चिलचिलाती गर्मी ने शहर की बिजली की मांग को मई में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया, जबकि दिल्ली सरकार ने उन स्कूलों को तत्काल प्रभाव से ऐसा करने का निर्देश दिया, जो गर्मी की छुट्टियों के लिए बंद नहीं हुए हैं। गौतम बौद्ध नगर में सोमवार को अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और अगले चार दिनों तक लू चलने की भविष्यवाणी की गई। भीषण गर्मी के बीच जिला प्रशासन ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा के सभी स्कूलों में कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों के लिए गर्मी की छुट्टियों की घोषणा की है।

राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्सों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हुआ और कई लोगों ने दोपहर में घर के अंदर ही रहना पसंद किया। मध्य प्रदेश में, रतलाम और नौगोंग में अधिकतम तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद दतिया में 45.2 डिग्री, खजुराहो में 44.8 डिग्री और ग्वालियर में 44.7 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले, मौसम विभाग ने भारत में अप्रैल-जून की अवधि के दौरान अत्यधिक गर्मी की चेतावनी दी थी, जो कि 1 जून को समाप्त होने वाले सात चरण के लोकसभा चुनावों के साथ मेल खाएगा।

कुरूद में आयोजित शिव महापुराण कथा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सपरिवार हुए शामिल। कथावाचक महाराज प्रदीप मिश्रा का लिया आशीर्वाद, की सबके कल्याण की कामना।

प्रमुख समाचार

अदालत ने कविता के खिलाफ आरोपपत्र पर फैसला सुरक्षित रखा

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन के एक मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दाखिल पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेने को लेकर 31 मई को अपना फैसला सुना सकती है। ईडी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने ईडी के इस दावे पर संज्ञान लेने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया कि उसके पास कविता पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत है। ईडी ने यह भी कहा कि उसके पास मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत है। अदालत ने केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ दाखिल पूरक आरोपपत्र पर विचार करने के लिए 28 मई की तारीख तय की है। केजरीवाल उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद एक जून तक अंतरिम जमानत पर हैं। न्यायालय ने उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रचार करने की अनुमति दे दी है। उसने उन्हें दो जून को आत्मसमर्पण करने और वापस जेल जाने का निर्देश दिया है।

मुझे जेल में रखने के लिए पूरी ताकत लगा दी: केजरीवाल

नयी दिल्ली। इंडिया गठबंधन और जेएमएस के समर्थन में झारखंड के जमशेदपुर में झारखंड के जमशेदपुर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि किसी भी अदालत ने हेमंत सोरेन को दोषी नहीं ठहराया है। जांच चल रही है। तो, वह जेल में क्यों हैं? यह मोदी की गुंडागर्दी है। किसी भी अदालत ने मेरे खिलाफ कोई आदेश नहीं दिया लेकिन मुझे कल जेल में डाल दिया गया, किसी को भी जेल में डाला जा सकता है। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मुझे जेल में रखने के लिए पूरी ताकत लगा दी, लेकिन चमत्कार हुआ और मैं आपके सामने हूं। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक, अरविंद केजरीवाल ने इस दावे के समर्थन में हालिया सर्वेक्षण परिणामों का हवाला देते हुए घोषणा की कि आगामी चुनावों में 300 से अधिक सीटें हासिल करके इंडिया ब्लॉक को अगली केंद्र सरकार बनाने का अनुमान है। अपने बयान के दौरान केजरीवाल ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि सोकसभा चुनाव का पांचवां चरण संपन्न हो चुका है।

वोट के लिए तमिलों को बदनाम करना बंद करें मोदी: स्टालिन

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी को लेकर उन पर हमला बोला कि ओडिशा में भगवान जगन्नाथ के खजाने की गायब चाबियां तमिलनाडु में चली गईं। स्टालिन ने कहा कि पीएम की टिप्पणी का मकसद वोटों की खातिर तमिलों की छवि खराब करना है। ओडिशा में एक चुनावी रैली में पीएम मोदी की टिप्पणी के एक दिन बाद स्टालिन ने कहा कि मोदी को तमिलों के खिलाफ ऐसी टिप्पणी करना बंद करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मोदी अपने नफरत भरे भाषणों से लोगों के बीच दुश्मनी और राज्यों के बीच गुस्से की भावना पैदा कर रहे हैं। स्टालिन ने कहा कि यह करोड़ों लोगों द्वारा पूजे जाने वाले भगवान जगन्नाथ का अपमान करने के साथ-साथ तमिलनाडु के उन लोगों का अपमान करने और उन्हें ठेस पहुंचाने के समान है, जिनके ओडिशा राज्य के साथ अच्छे संबंध और मित्रता हैं। सीएम ने पूछा कि क्या पीएम मोदी तमिलनाडु के लोगों को मंदिर का खजाना चुराने वाले चोरों के रूप में अपमानित कर सकते हैं...क्या यह तमिलनाडु का अपमान नहीं है।

सीता का अपहरण करने वाला भी भगवा कपड़े में आया था

मुंबई। भाजपा नेता शाइना एनसी ने महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के बयान पर कहा कि

नाना पटोले को पता नहीं है कि भगवा और केसरिया का महत्व क्या है? शायद नाना पटोले को यह भी नहीं पता है कि छत्रपति शिवाजी महाराज, रामकृष्ण ने भगवा का इस्तेमाल क्यों किया। कांग्रेस पार्टी सिर्फ तुष्टीकरण की राजनीति करती है और जब उनके पास अपनी हार को लेकर कोई जवाब नहीं है तब वे ऐसा करते हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस नेता नाना पटोले के बयान पर भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि नाना पटोले वही नेता हैं जिन्होंने कुछ दिन पहले कहा था कि राम मंदिर अशुद्ध है उसका शुद्धिकरण कराना है क्योंकि आदिवासी समाज से आने वाली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राम मंदिर गई थी। ऐसी घटिया सोच कांग्रेस पार्टी में कूट-कूटकर भरी है। कभी वे आदिवासी समाज का अपमान करते हैं, कभी हिंदुओं का अपमान करते हैं... इनके पूरे गठबंधन का चरित्र हिंदू विरोधी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पीएम मोदी के तीसरा कार्यकाल के 6 महीने के भीतर पीओके भारत में आ जाएगा.

आप ने हेमंत सोरेन की पत्नी को भी बताया झांसी की रानी

नई दिल्ली। झारखंड के जमशेदपुर में एक

सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने जेल में बंद जेएमएम नेता हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को झांसी की रानी की तरह चुनौती दे रही हैं। पीएम मोदी ने जिस इरादे से सोरेन और मुझे जेल में डाला था, वह उन पर उल्टा पड़ गया है। दिल्ली और पंजाब में आप सरकार और झारखंड में जेएमएम सरकार गिरी नहीं है, दरअसल, सभी आप और जेएमएम नेता पीएम मोदी के खिलाफ एक साथ आए हैं। इससे पहले दिल्ली के गांधी नगर इलाके में आप उम्मीदवार के समर्थन में प्रचार करते हुए केजरीवाल ने अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल को भी झांसी की रानी बताया था। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आप सभी के लिए मेरा संदेश है, वह झांसी की रानी की तरह हैं। आप नेता ने कहा कि किसी भी अदालत ने हेमंत सोरेन को दोषी नहीं ठहराया है। जांच चल रही है। तो, वह जेल में क्यों हैं? यह मोदी की गुंडागर्दी है।

मोदी और पटनायक के बीच की दूरी ओडिशा में सियासी मजबूरी

ओडिशा में एक साथ चल रहे चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और बीजू जनता दल के बीच तीखे शब्दों का आदान-प्रदान खूब हो रहा है। जहां बीजू जनता दल मतदाताओं के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री नवीन पटनायक पर व्यक्तिगत हमलों का मुद्दा उठा रही है। वहीं, विकास के बहाने भाजपा नवीन पटनायक को पूरी तरह से घेरने की कोशिश कर रही है। भाजपा ओडिया अस्मिता (उड़िया गौरव) का मुद्दा उठा रही है और तमिलनाडु में जन्मे पांडियन पर पटनायक को नियंत्रित करने का आरोप लगा रही है, और राजनीतिक लाभ उठाने के लिए %ओडिया बनाम गैर-ओडिया% कथा बनाने की कोशिश की है।

भाजपा का वार

गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के पांच चरण पूरे होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 310 सीट मिलने का दावा करते हुए ओडिशा के लोगों से अपील की कि वे राज्य को ''बाबू-राज'' से आजाद कराएं और भाजपा को केंद्र एवं राज्य दोनों में सरकार बनाने के लिए समर्थन दें। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में ''मुट्ठी भर अधिकारियों'' का शासन है। शाह ने राज्य में बीजू जनता दल (बीजद) की सरकार पर ओडिशा के गौरव, भाषा, संस्कृति और परंपरा का अपमान करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वह राज्य की संस्कृति और गौरव का गला घोंट रहे हैं। शाह ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक राज्य के ''खनिज संसाधनों को लूटने'' में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वह राज्य में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) के खिलाफ सत्ता विरोधी बहुत मजबूत लहर देख रहे हैं जिसके कारण इस क्षेत्रीय दल के लिए टिके रहना अब बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा कि ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) अस्त हो रहा है जबकि विपक्षी कांग्रेस पस्त है, लिहाजा लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लेकर आश्वस्त हैं।

बीजद का पलटवार

ओडिशा के मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनाने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दावा 'दिन में सपने' देखने जैसा है। पटनायक ने भाजपा नेताओं पर चुनाव से पहले झूठ फैलाने और घड़ियाली आंसू बहाने का आरोप लगाया। पटनायक ने भाजपा नेताओं पर वार करते हुए कहा कि 'राजनीतिक पर्यटकों' का ओडिशा की जनता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ''भाजपा के झूठ के खिलाफ विकास ही उनका एकमात्र हथियार है।'' बीजद के नेता और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी सहायक वी के पांडियन ने आरोप लगाया कि भाजपा जीत के लिए नहीं, बल्कि चुनाव के बाद बीजद को तोड़ने के इरादे से अपनी सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए ओडिशा में चुनाव लड़ रही है। उन्होंने भाजपा को ओडिशा के लिए मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने की चुनौती देते हुए दावा किया कि अगर भाजपा राज्य में अपने मौजूदा नेताओं में से किसी को भी नामित करती है तो उसे 10 प्रतिशत से भी कम वोट मिलेंगे।

कांग्रेस का पक्ष

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। रमेश ने सवाल भी किया कि प्रधानमंत्री बीजद के साथ अपनी पार्टी के वास्तविक संबंधों को लेकर झूठ क्यों बोलते हैं? रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा की केंद्र सरकार और उनकी बी-टीम राज्य सरकार ने मिलकर इन दोनों नदियों को पूरी तरह ज़हरीला बना दिया है। कांग्रेस नेता पायलट ने नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजू जनता दल (बीजद) सरकार पर निशाना साधा और उस पर ठीक से काम नहीं करने'' का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि ओडिशा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार व्याप्त है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि बीजद और भाजपा दोनों के साझा हित हैं जो उनके पिछले कृत्यों में परिलक्षित होते हैं।

दोस्ती चुनावी दुश्मनी में बदली!

अभी से 2 महीने पहले तक इस बात की उम्मीद करना भी मुश्किल लग रहा था कि चुनावी मौसम में बीजद और भाजपा के बीच इतनी कड़वाहट देखने को मिलेगी। लेकिन यह कड़वाहट सिर्फ दोनों पार्टियों के बीच नहीं है बल्कि दोनों दलों के सर्वोच्च नेताओं के बीच भी दिखाई दे रही है। एक ओर जहां नरेंद्र मोदी नवीन पटनायक पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। तो वहीं दूसरी ओर उनकी ओर से भी पलटवार किया जा रहा है। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि आखिर दोनों के बीच इतनी कड़वाहट क्यों? कई मौकों पर केंद्र की मोदी सरकार को नवीन पटनायक की पार्टी ने समर्थन दिया है। पीएम मोदी खुद नवीन पटनायक को अपना मित्र बता चुके हैं। वहीं नवीन पटनायक ने भी मोदी सरकार को 10 में से 8 नंबर दिया था। दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर भी बातचीत हुई थी लेकिन बात बन नहीं पाई थी। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह कड़वाहट सिर्फ चुनाव भर के लिए है। चुनाव बाद दोनों दलों के बीच पहले जैसे ही संबंध बने रहेंगे। इसमें एक फैक्टर कांग्रेस का भी है। अगर बीजेडी और बीजेपी एक साथ मिलकर चुनाव लड़ते तो कांग्रेस को इसका फायदा मिल सकता था और वह राज्य में अपना जन आधार बढ़ा सकते थी।

पानी की हर बूंद कीमती, इसे संरक्षित करें: कलेक्टर

धमतरी। जल जगार उत्सव की शुरूआत मंगलवार को कुरूद विकासखण्ड के ग्राम नवागांव (थुहा) से की गई। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर सुश्री गांधी ने ग्रामीणों का आह्वान करते हुए कहा कि धरती के सभी जलस्त्रोत आज सूखने की कगार पर आ गए हैं। हम सभी को मिलकर पानी बचाना पड़ेगा, नहीं तो वो दिन दूर नहीं जब हमारा हाल भी बैंगलोर शहर जैसा हो जायेगा। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि धान की खेती में पानी अधिक खपत होती है, अत: नगदी फसलों की ओर अधिक से अधिक रूख करें। इसके साथ ही खेतों में अनावश्यक पानी ना बहने दें, जितना पानी की जरूरत हो, उतना ही खेतों में पानी दें। कलेक्टर ने कहा कि जिले की जीवनदायिनी कहलाने वाली महानदी भी सूख गयी है। गंगरेल बांध आज अपने निम्न स्तर पर पहुंच गया है। हम सभी को मिलकर पानी बचाने का प्रयास समय रहते करना होगा, इसके लिए वृक्षारोपण सहित गांवों में जलस्त्रोतों की साफ-सफाई, रूफटॉप स्ट्रक्चर, रैन वाटर हार्वेस्टिंग और वेस्ट वाटर रिचार्ज संरचना बनाने की जरूरत होगी। कलेक्टर ने कहा कि पानी की हर बूंद कीमती है, इसलिए आप लोग जल संरक्षण की संरचनाओं को बनाएं। गौरतलब है कि जिले के विभिन्न ग्रामों में आगामी 15 जून तक यह उत्सव आयोजित होगा।

कार्यक्रम में वाटर हीरो जलप्रहरी नीरज वानखेड़े ने कहा कि जिले में विकट परिस्थिति निर्मित हो रही है। अगर हम अभी नहीं सम्हले तो यह स्थिति भयावह हो जायेगी। आज पानी फ्री में मिल रहा है, आगे हमें खरीदना पड़ेगा। उन्होंने विशाल जल संचयन करने के लिए बनाए जाने वाले वेस्ट वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की बारिकी से जानकारी दी। इसके जरिए घरों से निकलने वाले अनुपयोगी जल को संचय कर फिर से उसे उपयोग में लाया जा सकेगा और भू-जल को बढ़ाया जा सकता है। श्री वानखेड़े ने रैन वाटर हार्वेस्टिंग बनाने की प्रक्रिया का भी प्रदर्शन किया। इसके साथ ही नवागांव स्थित पुराने हैण्डपम्प के समीप वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चर बनाकर दिखाया।

इस दौरान जल संरक्षण में योगदान देने के लिए ग्राम सेवक सेवाराम साहू को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थितों से अपील की कि कम से कम 1 पौधा जरूर उगाएं, क्योंकि जहां पेड़ ज्यादा होते हैं, वहां पानी का लेवल बढ़ा होता है तथा बारिश अच्छी होती है। नवागांव के ओमकार साहू को टी-शर्ट देकर सम्मानित किया गया तथा पानी की समस्या पर आधारित वीडियो का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम स्थल पर बने नारी शक्ति से जल शक्ति अभियान संबंधी फ्लैक्स पर लोगों ने पानी बचाने के लिए हस्ताक्षर किया, वहीं सेल्फी जोन में सेल्फी लेकर जल संरक्षण का संकल्प भी लिया। साथ ही नेहरू युवा केन्द्र के प्रतिनिधियों द्वारा जल बचाने के संबंध में नुक्कड़ नाटक भी आयोजित किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी सहित अधिकारी, कर्मचारी और ग्रामीणों ने जल को संरक्षित करने की शपथ भी ली। शपथ में कहा गया कि हम पानी बचाने और उसके सही इस्तेमाल, पानी की हर बूंद का ख्याल रखेंगे, कैच द रेन अभियान को बढ़ावा देंगे, पानी को अनमोल संपदा मानेंगे और इसका सही इस्तेमाल करेंगे, हम अपने परिवार, पड़ोसियों और अधिकारियों को भी पानी का सही इस्तेमाल करने और उसे बर्बाद न करने के लिए प्रेरित करेंगे, यह ग्रह हमारा है और हम ही इसे बचा सकते हैं और अपना भविष्य सुरक्षित कर सकते हैं। इस मौके पर नवागांव सरपंच, नगरनिगम आयुक्त विनय पोयाम, सीईओ जनपद पंचायत कुरूद बीआर वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

हत्या की वारदात में शामिल 1 लाख के ईनामी सहित 10 नक्सली गिरफ्तार

सुकमा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत नक्सलियों की लगातार उपस्थिति की आ-सूचना पर जिला बल, डीआरजी सुकमा एवं 204, 206, 208 कोबरा वाहिनी का संयुक्त बल नक्सलियों के कोर एरिया ग्राम दुलेड़, बोट्टेतोंग, रासापल्ली, पीनाचंदा, ईरापल्ली, मेट्टामुड़ेम व आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे।

अभियान के दौरान ग्राम दुलेड़ के पास जंगल से माड़वी बुस्का पिता माड़वी जोगा (एर्रनपल्ली आरपीसी मिलिशिया कमाण्डर ईनामी 01 लाख रूपये) निवासी पीनाचंदा थाना पामेड़ बीजापुर, माड़वी जोगा पिता स्व. माड़वी नंदा (पेद्दाबोड़केल आरपीसी सेक्शन ए मिलिशिया डिप्टी कमाण्डर) निवासी तिम्मापुरम गयतापारा थाना चिंतलनार, सुकमा, पदाम जोगा पिता पदाम हुंगा (ग्राम बोट्टेतोंग डीएकेएमएस सदस्य) निवासी बोट्टेतोंग थाना पामेड़, बीजापुर, सोड़ी गंगा पिता सोड़ी लखमा (डीएकेएमएस सदस्य) निवासी रासापल्ली स्कूलपारा थाना पामेड़, बीजापुर, माड़वी हुंगा पिता स्व.कोसा (एर्रनपल्ली आरपीसी मिलिशिया सदस्य) जाति मुरिया निवासी पीनाचंदा थाना पामेड़ बीजापुर, सोड़ी मूड़ा पिता स्व. दुला (बोट्टेतोंग डीएकेएमएस सदस्य) निवासी बोट्टेतोंग थाना पामेड़, बीजापुर, मड़कम देवा पिता स्व.गंगा (एर्रनपल्ली आरपीसी.कृषि कमेटी अध्यक्ष) निवासी बोट्टेतोंग थाना पामेड़, बीजापुर, मड़कम हिंगा पिता बुधरा (बोट्टेतोंग

डीएकेएमएस सदस्य) निवासी बोट्टेतोंग थाना पामेड़, बीजापुर, वेट्टी हुंगा उर्फ मोटू पिता जोगा (एर्रनपल्ली आरपीसी मिलिशिया सदस्य) निवासी बोट्टेतोंग थाना पामेड़, बीजापुर एवं मड़कम नंदा पिता पोज्जा (एर्रनपल्ली आरपीसी मिलिशिया सदस्य) निवासी बोट्टेतोग थाना पामेड़, बीजापुर को गिरफ्तार किया गया है।

सभी गिरफ्तार नक्सलियों का थाने में नक्सल रिकार्ड जांच करने पर माड़वी जोगा, माड़वी बुस्का, पदाम जोगा, सोड़ी गंगा, माड़वी हुंगा थाना चिंतागुफा क्षेत्रान्तर्गत 01सितंबर 2023 को मिनपा जाने वाले मार्ग में 01 ग्रामीण की अपहरण कर हत्या की वारदात में अन्य नक्सलियों के साथ शामिल रहना पाया गया, हत्याा की वारदात के संबंध में थाना चिंतागुफा में अपराध क्रमांक 08/2023 धारा 147, 148, 149, 302 भादवि. 25 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पूर्व से दर्ज है। गिरफ्तार नक्सली सोड़ी मुड़ा, मड़कम देवा, मड़कम हिंगा, वेट्टी हूंगा, मड़कम नंदा थाना चिंतागुफा क्षेत्रान्तर्गत 22 फरवरी 2024 को दुलेड़ के 02 ग्रामीणों को अपहरण कर हत्या की वारदात में अन्य नक्सलियों के साथ शामिल रहना पाया गया।

बेटी को बचाने के लिए भालू से भिड़ा पिता

गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती, गए थे तेंदुपत्ता तोड़ने

कोरिया। आपने अब तक सुना होगा कि पिता के लिए बेटियां परी के सामान होती हैं। बेटियों की जान के लिए पिता किसी से भी लड़ सकता है। विकासखण्ड भरतपुर और वन मण्डल कोरिया के वनपरिक्षेत्र कोटाडोल के जंगल मे परिवार सहित तेंदूपत्ता तोड़ने गये ग्रामीण पर मादा भालू और उसके दो शावकों ने हमला कर दिया। भालुओं के हमले से ग्रामीण संतलाल का दाया हाथ टूट गया और चेहरे पर भी भालुओं ने हमला किया है। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उसे बेहतर उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

ग्राम पंचायत कोटाडोल का रहने वाला संतलाल सिंह अपनी पत्नी कलावती सिंह और अपनी बेटी संजना सिंह के साथ जुर्ला नदी के पास तेंदुपत्ता तोड़ने गया हुआ था। जब वे लोग जंगल मे तेंदूपत्ता तोड़ रहे थे तभी अचानक मादा भालू अपने शावकों के साथ वहां पहुंच गयी। अचानक आमना सामना होने पर भालुओं ने संतलाल पर हमला कर दिया। बेटी संजना सिंह ने जब मौके पर हल्ला मचाया तो शावकों ने उस पर भी हमला करने की कोशिश की। अपनी बेटी पर हमला होता हुआ देख कर बीच बचाव करने उसका पिता भालू से भिड़ गया।

पत्नी कलावती और पुत्री संजना सिंह के द्वारा हल्ला करने पर भालू अपने शावकों के साथ वहां से भाग गई। पीड़ित की पत्नी और आसपास तेंदूपत्ता तोड़ रहे लोगों की मदद से घायल को गांव तक लाया गया और इसकी सूचना वन विभाग के आला अधिकारियों को दी गई। उनकी मदद से घायल को उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला चिकित्सालय शहडोल रेफर कर दिया गया हैं। वन विभाग को सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्राधिकारी के द्वारा तात्कालिक सहायता राशि के रूप में दो हजार रुपये दिया गया है।

जमीन की खरीदी-बिक्री मामले में पूर्व विधायक समेत 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर

बिलासपुर। कब्रिस्तान की जमीन की खरीदी-बिक्री मामले में कोर्ट के आदेश पर सिविल लाइन पुलिस ने पूर्व विधायक मोहितराम केरकेट्टा, उनके बेटे समेत 10 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है।

दरअसल, बिलासपुर के विद्यानगर में रहने वाले आलोक विल्सन चर्च ऑफ खाईस्ट मिशन इन इंडिया कुदूदंड के सदस्य हैं। उन्होंने शिकायत की है कि संस्था के कथित पदाधिकारियों ने पूर्व विधायक मोहितराम केरकेट्टा और उनके बेटे के पास एक एकड़ जमीन को 99 लाख 22 हजार 500 रुपए में बेच दिया। बेची गई जमीन संस्था के रिकॉर्ड में ईसाई कब्रिस्तान के रूप में दर्ज है।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, जमीन की कीमत चार से पांच करोड़ रुपए है। इसी मूल्य में सौदा करने के बाद आपसी सौदा मूल्य 99 लाख रुपए बताया गया है। मामले को लेकर उन्होंने सिविल लाइन पुलिस से शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस पर उन्होंने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने बैरन उर्फ बिरन साय कुजुर निवासी चर्च आफ खाइस्ट मिशन कम्पाउण्ड कुदूदण्ड, बिरिम साय टोप्पो, दीपक फिलीमोन निवासी टिकरापारा, महावीर कुजूर निवासी उस्लापुर, हेमिल्टन थॉमस निवासी ओमनगर जरहाभाठा, जेडब्लू दास निवासी रायपुर, पुष्पा मिंज निवासी उस्लापुर, अरूण टोप्पो, पूर्व विधायक मोहितराम केरकेट्टा व उनके बेटे शंकर केरकेटटा निवासी उरांवपारा पोलमी थाना पाली के खिलाफ धारा 403, 406, 420, 467, 468,120बी के तहत जुर्म दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खदान धसकने से मौत मामले में ट्रैक्टर मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला पेण्ड्रा मरवाही में गौरेला के दर्री गांव में कल हुए मुरुम खदान धसकने के मामले में गौरेला पुलिस ने ट्रैक्टर मालिक के खिलाफ अपराध दर्ज कर ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। पुलिस ने मामले में बिना सुरक्षा उपाय के अवैध तरीके से मुरुम का उत्खनन का प्रकरण दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी है।

दरअसल पूरा घटना क्रम कल का है जहा पर गौरेला थानाक्षेत्र के दर्री गाव में अवैध तरीके से मिट्टी मुरुम खदान में मुरुम निकालने के दौरान 6 मजदूर खदान में दब गए जिसके बाद ग्रामीणों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर 5 मजदूरों को तो बाहर निकाल लिया जिसमें से 2 मजदूर घायल थे जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है तो एक मजदूर दीनू गोंड की खदान में दबकर उसकी मौत हो गई। जिसके बाद घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन में हड़कंप मच गया और पुलिस ने मृतक का शव का पंचनामा कार्यवाही के बाद उसे अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौप दिया और मामले में तफ्तीश शुरू की और घायल श्रमिको और मृतक के परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस ने मृतक के परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर मुरुम की खुदाई करवाने वाले ट्रेक्टर को जप्त कर ट्रेक्टर मालिक हेमलाल यादव के खिलाफ 304 ,337 गैर इरादतन हत्या और लापरवाही पूर्वक दुसरो की जान जोखिम में डालने के मामले में अपराध दर्ज कर हेमलाल यादव को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

बस्तर में मनाया गया आतंकवाद विरोधी दिवस

जगदलपुर। नक्सलवाद हमेशा से युवाओं को आतंक के साथ ही हिंसा के रास्ते में ले जाकर राष्ट्र के खिलाफ भड़काता है। ऐसे में इन आतंकियों के बहकावे में ना आकर राष्ट्रीय हित में काम करने की जरूरत है, इन बातों को बस्तर पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने मंगलवार को आतंकवाद विरोधी दिवस के मौके पर अपने कार्यालय में कार्यरत अधिकारी कर्मचारियों को शपथ दिलाने के दौरान कही। बताया जा रहा है कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 21 मई को आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया। ऐसे में बस्तर पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा के साथ ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग के द्वारा मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कार्यरत सभी अधिकारी कर्मचारियों को शपथ दिलाई। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद और हिंसा का डटकर मुकाबला करने की बात कही। साथ ही मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ के साथ ही जीवन को खतरा पहुंचाने वाली शक्तियों से लड़ने की शपथ दिलाई।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

बालोद। देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आज बालोद के स्थानीय कांग्रेस भवन में कांग्रेसियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान राजीव गांधी के कार्यों को याद करते हुए कांग्रेसी भावुक नजर आए। कांग्रेस नेता कृष्ण दुबे ने कहा कि देश की पंचायतीराज व्यवस्था को मजबूत और सशक्त बनाने के साथ ही कंप्यूटर एवं संचार क्रांति लाकर युवा, आधुनिक एवं सुदृढ़ भारत के निर्माण में उनका योगदान अतुल्य है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अपनी दूरदर्शी नीतियों से दूरसंचार क्रांति की शुरुआत कर भारत को कंप्यूटर युग से परिचित कराया। राजीव गांधी के आधुनिक विचारों की छाप उनके सुधारवादी कार्यों में देखी जा सकती है। आधुनिक सोच और अद्भुत निर्णय क्षमता वाले भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की पुण्य तिथि पर सादर नमन।

घूम-घूम कर बेच रहे थे नशीली दवा, तीनों गिरफ्तार

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा जिले में घूम-घूम कर नशीली टेबलेट बिक्री करने वाले तीन आरोपियों को तीन हजार छह सौ नशीली टेबलेट के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये पूरा मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार सिटी कोतवाली पुलिस और साइबर टीम को सूचना मिली थी एक मोटर साइकिल में तीन युवक जोकि ग्राम पेंड्री से जांजगीर की ओर छह पैकेट मादक पदार्थ नशीली टेबलेट लेकर बिक्री के लिए जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने जांजगीर में मोटर साइकिल में बैठे युवकों से रोककर तलाशी ली जिसमे युवकों के पास से 3600 नग अल्पजोलम नशीली टेबलेट मिली। एएसपी राजेंद्र जायसवाल ने कहा की नशीली टेबलेट बिक्री करने वाले लोगों पर पुलिस कार्रवाई कर रही है। तीनों आरोपीयों को जेल भेज दिया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना में लापरवाही, दो सचिव निलंबित

जगदलपुर। बस्तर जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएम आवास योजना) के कार्य में लापरवाही बरतने वाले 2 सचिवों को प्रशासन ने निलंबित कर दिया है। कलेक्टर के निर्देश पर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बकावंड ब्लॉक के दशापाल और कोलावल ग्राम पंचायत के सचिवों पर यह कार्रवाई की है। दरअसल, बस्तर कलेक्टर विजय दयाराम बकावंड ब्लॉक और बस्तर ब्लॉक का दौरे पर थे। इस दौरान कलेक्टर ने बकावंड जनपद के 93 पंचायतों और बस्तर जनपद के 88 पंचायतों के सचिवों की बैठक ली। प्रधानमंत्री आवास योजना कार्य की प्रगति से नाखुश कलेक्टर ने दो सचिवों को निलंबित करने के निर्देश दिए। वहीं मनरेगा के कार्य में लापरवाही बरतने वाले रोजगार सहायक, तकनीकी सहायक, ग्राम पंचायत सचिव को स्पष्टीकरण जारी करने के भी निर्देश दिए हैं।

चलती कार में लगी आग बाल-बाल बचे सभी लोग

कोरबा। कोरबा में सिविल लाइन थाना के तहत रिस्दी मुख्य मार्ग पर एक चलती कार में आग लग गई। शॉर्ट सर्किट के कारण कार में आग लगने की बात कही जा रही है। कार में सवार चालक समेत अन्य लोग किसी तरह बाहर निकलकर भागे। दमकल वाहन के आने से पहले कार धू-धूकर जलती रही। इस दौरान मौके पर लोगों की काफी भीड़ देखने को मिली। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पया। कार सवार परिवार नकटीखार से कोरबा की तरफ आ रहा था जहां अचानक शॉर्ट सर्किट के चलते कार में आग लग गई और हड़कप मच गया। कार सवार चालक समेत दो अन्य लोगों ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। बताया जा रहा है कि कार सवार शादी कार्यक्रम में गए हुए थे जहां देर रात वापस लौटते समय ये हादसा हुआ है। अगर समय रहते कार से बाहर नहीं निकलते तो उनकी जान भी जा सकती थी।

अवैध प्लॉटिंग के लिए काट दिए प्रतिबंधित वृक्ष, प्रशासन ने शुरू की जांच

बालोद। बालोद जिले के गुरुर नगर अंतर्गत एनएच 930 के समीप गुलमोहर कॉलोनी के पीछे अवैध प्लॉटिंग और प्रतिबंधित लकड़ियों को कांटे जाने का मामला सामने आया है जिस पर एसडीएम पूजा बंसल ने तहसीलदार हनुमंत श्याम को जांच के लिए निर्देशित किया है। वहीं पूरे मामले पर विधायक संगीता सिन्हा ने कहा कि प्लॉटिंग एक विधिवत प्रक्रिया है अगर नियमों की अनदेखी की गई है तो कार्रवाई होनी चाहिए।

दरअसल गुरुर नगर में अवैध प्लॉटिंग के लिए जमीन बराबर कर मुरम बिछाया गया वहीं किनारे लगे प्रतिबंध अर्जुन वृक्ष की बली दे दी है जिसके बाद पटवारी ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय पटवारी ने जांच रिपोर्ट तलब कर दिया है इस मामले में एक शासकीय शिक्षक और एक सामाजिक क्षेत्र के कथित नेता के शामिल होने की बात सामने आ रही है हालांकि जांच के बाद मामला स्पष्ट हो पाएगा।

यह पूरा मामला खसरा नंबर 91/1 का है जहां पर टुकड़ों में प्लॉटिंग किया जा रहा है और यह जमीन जगदीश राम के नाम से था जिसे जमीन दलाल केशव देवांगन ने अपनी पत्नी के नाम पर खरीदा है हालाकि मामला अभी प्रक्रियाधीन है और जमीन रजिस्ट्री होने के बाद नामांतरण नहीं हो पाया है लेकिन नामांतरण के पहले ही प्लॉटिंग की पूरी तैयारी हो चुकी है यहां पर मुरम बिछा दिया गया है वहीं बता दें इस खसरा नंबर के कई टुकड़े किए गए हैं जिसमे कई नामचीन लोगों के नाम पर जमीनें ऑनलाइन देखी जा सकती है।

3 अर्जुन वृक्ष कांटा रिपोर्ट तलब

संबंधित खसरा के पटवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय एसडीएम महोदय के निर्देश पर जांच रिपोर्ट बना दिया गया है और जांच के दौरान पाया गया की तीन प्रतिबंध का हुआ वृक्ष को काटा गया है वहीं अवैध प्लाटिंग भी किया जा रहा है खसरा नंबर 91 बाते एक में टुकड़ों में यह कार्रवाई की जा रही है उन्होंने कहा कि रिपोर्ट बना कर तहसीलदार को दे दिया गया है आगे कार्रवाई तहसीलदार द्वारा की जाएगी।

गुरुर एसडीएम पूजा बंसल ने कहा कि मामले में जांच के लिए कहा गया है रिपोर्ट तहसीलदार के पास पहुंच चुका है मैं अभी छुट्टी में हूं छुट्टी में आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी वहीं जब हमने तहसीलदार हनुमंत श्याम ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद पटवारी को जांच करने भेजा गया था और पटवारी द्वारा रिपोर्ट बनाकर जमा कर दिया गया है इस अवैध प्लाटिंग और पेड़ कटाई के मामले को लेकर कार्रवाई की जाएगी।

नियम की अनदेखी पर हो कार्रवाई

पूरे मामले में स्थानीय विधायक संगीता सिन्हा ने कहा कि अवैध प्रोटीन हुई है और नियमों का पालन नहीं किया गया है तो इस पर जरूर कार्रवाई होनी चाहिए उन्होंने कहा कि यदि इस पर कार्रवाई नहीं होती है तो हम स्वयं प्रशासन को इस पूरे मामले से अवगत कराएंगे ताकि कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो सके।

धोबनपुरी और पेंवरो में भी तैयारी

आपको बता दें कि इसी जमीन दलाल के द्वारा धोबनपुरी और पेंवरों में भी अवैध प्लॉटिंग करने की तैयारी की जा रही है जिसे लेकर भी प्रशासन बड़ी कार्रवाई की जा सकती है हालांकि इस क्षेत्र में खसरा नंबर और जमीन का हिस्सा कौन सा होगा यह सामने नहीं आया है।

अवैध रेत उत्खनन: चैन माउंटेन सहित 2 हाईवा जब्त

महासमुंद। अवैध रेत उत्खनन पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए एक चैन माउंटेन सहित 2 हाईवा को जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार तुमगांव थाना क्षेत्र के सिरपुर चौकी में महासमुंद पुलिस की 6 सदस्यों की टीम ने बीती रात खमतराई स्थित महानदी में छापामार कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने अवैध तरीके से रेत खनन करते हुए एक चैन माउंटेन और 2 हाईवा को जब्त किया।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सोमवार देर रात बागबाहरा एसडीओपी यूलंडन यार्क और सिटी कोतवाली प्रभारी मोनिका श्याम सहित 6 सदस्य टीम ने खमतराई स्थित महानदी में छापेमार कार्रवाई की। देर रात पुलिस ने महानदी से अवैध तरीके से रेत खनन करते हुए एक चैन माउंटेन और 2 हाईवा को जब्त किया। पुलिस टीम ने जब्त वाहनों को सिरपुर चौकी में रखा है। पुलिस इस मामले में एक नेता सहित 6 लोगों से पूछताछ कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

स्काउट-गाइड ने कुएं बावड़ी रखें साफ-स्वच्छ अभियान चलाया

रायपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स

छत्तीसगढ़, रायपुर के जिला मुख्य आयुक्त डॉ सुरेश शुक्ला,तथा जिला अध्यक्ष जी स्वामी के मार्गदर्शन व जिला उपाध्यक्ष अजय तिवारी के निर्देशन व जिला सचिव मृत्युंजय शुक्ला के मार्गदर्शन में तय कार्यक्रम के मुताबिक मंगलवार को को प्राचीनतम जैतूसाव मठ में जल संरक्षण व कुएं की साफ-सफाई कर, कुएं बावड़ी रखें साफ-स्वच्छ , अभियान जैतूसाव मठ के सचिव महेंद्र अग्रवाल के आतिथ्य में चलाया गया। एएलटी-स्काउट हेमधर साहू ने बताया कि-एक कुंआ व बावड़ी का जल एक गांव-बस्ती को जल की पूर्ति की क्षमता रखता है,कुंआ-बावडी से शुद्ध मीठा जल हमें मिलता है, इसलिए हमें कुएं व बावड़ी की साफ-सफाई कर, उसके संरक्षण की आवश्यकता है। जिला संगठन आयुक्त बालकदास राऊत ने कुएं के अहाता की चूने से रोवर्स अनिश रामटेके, यश भारती,दीपक साहू के सहयोग से पुताई कराई गई तथा जैतूसाव मठ परिसर जल संरक्षण के नारों व गीतों से गुंजायमान हो उठा। जिला मुख्य आयुक्त डॉ सुरेश शुक्ला ने बताया कि-सन् 1930 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी रायपुर आये थे,तब उन्होंने इसी कुएं का जल , हरिजन कन्या के हाथों से पिया था। जल संरक्षण के कार्यक्रम में आचार्य सुमित शास्त्री, आचार्य सौरभ शास्त्री, दीपक पाठक, रामचंद्र का विशेष योगदान रहा।

श्री कुंथुनाथ जैन मंदिर की 23 वीं वर्षगांठ 23 को

रायपुर। फाफाडीह, सन्मति नगर श्री कुंथुनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर की 23वीं वर्षगांठ 24वां धर्म ध्वजा महोत्सव 23 व 24 मई को आयोजित किया गया है। 23 मई गुरुवार को प्रातः 7 बजे आध्याम योगी उपाध्याय प्रवर श्री महेंद्र सागर जी म.सा.व युवा मनीषी उपाध्याय प्रवर श्री मनीष सागर जी म. सा .के सुशिष्य मुनि श्री विवेक सागर जी म. सा .आदि ठाना का भव्य प्रवेश होगा। 7.30 बजे सुबह स्वल्पाहार पश्चात 8.31 को को प्रभु गुरुदेव देव देवियों की विभिन्न मूर्तियों का विभिन्न औषधीय से अठारह अभिषेक कार्यक्रम रखा गया है। इसे विधि विधान से करने के लिए मुंबई से प्रसिद्ध विधिकार श्री राजा भाई नंदू एवं उसकी टीम गीत संगीत के लिए सौ.शीतल बेन व्यास एवं टीम साथ ही कच्छ के प्रसिद्ध ढोल शहनाई टीम विशेष रूप से पधार रहे हैं। दोपहर को प्रभु प्रसादी, शाम 7 बजे भक्ति संध्या सम्मान समारोह आयोजित है। प्रभु जी की 108 दीपक से भव्य आरती । 24 मई को सवेरे 7.30 बजे ध्वज की शोभायात्रा 8.30 बजे सत्तर भेदी पूजा 10.30 बजे ध्वजारोहण एवं 11 बजे प्रभु प्रसादी रखा गया है।

दूधाधारी मठ में मनाया गया नृसिंह जयंती

रायपुर। वैशाख शुक्ल पक्ष चतुर्दशी को भगवान नृसिंह जयंती के अवसर पर दूधाधारी मठ में विशेष पूजा अर्चना की गई। भगवान को भोग अर्पित करके श्रद्धालु भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। माना जाता है कि वैशाख शुक्ल पक्ष चतुर्दशी को भगवान श्री विष्णु ने भक्त प्रहलाद की रक्षा करने के लिये नृसिंह रुप धारण कर हिरण्यकशिपु का वध किया। महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास महाराज ने कहा है कि भगवान श्री हरि का अवतार इस जगत में किस लिए होता है यह तो केवल भगवान श्रीहरि ही जान सकते हैं, उनके अलावा इसे कोई भी नहीं जान सकता। गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज ने श्री रामचरितमानस में स्पष्ट शब्दों में लिखा है कि हरि अवतार हेतु जेहि होई, इदमित्थं कहि जाइ न सोई।। किंतु फिर भी यह सामान्य मान्यता है कि जब-जब धर्म की हानि होती है और अभिमानी, असुरों की वृद्धि होती है तब -तब प्रभु विविध शरीर धारण करके संतों का संताप हरते हैं। ऐसा संत, मुनि, वेद और पुराण सब अपनी- अपनी मति के अनुसार कहते हैं। उन्होंने नृसिंह जयंती के अवसर पर संपूर्ण भारतवर्ष सहित छत्तीसगढ़ वासियों को शुभकामनाओं के साथ बधाई दी है।

बिलासपुर-यशवंतपुर द्वि-साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन के परिचालन में विस्तार

रायपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों को कंफर्म सीट के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु बिलासपुर-यशवंतपुर-बिलासपुर के मध्य 08291/08292 बिलासपुर-यशवंतपुर-बिलासपुर द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन 30 मई तक (09 फेरे) किया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुये इस गाड़ी के परिचालन का विस्तार 17 जून तक (05 फेरे) किया जा रहा है। इस दौरान ये गाडियाँ दोनों दिशाओं में अतिरिक्त 05-05 फेरे के लिए चलेगी। परिचालन में विस्तार होने के बाद गाड़ी संख्या 08291 बिलासपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस, बिलासपुर से 01, 04, 08, 11 व 15 जून को (प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार) को अतिरिक्त 5 फेरे के लिए तथा गाड़ी संख्या 08292 यशवंतपुर-बिलासपुर समर एक्सप्रेस, यशवंतपुर से 03 ,06, 10, 13 व 17 जून को (प्रत्येक सोमवार व गुरुवार) को अतिरिक्त 5 फेरे के लिए चलाई जाएगी।में साबित होगी। न केवल धर्मांतरण बल्कि समाज में फैली अन्य कुरुतियों के खिलाफ भी आवाज उठाना हमारा ही एक दायित्व है।

हम सब मिलकर बदलेंगे छत्तीसगढ़ की तकदीर और तस्वीर : साय

रत्नगर्भा छत्तीसगढ़ महतारी की पहचान नक्सली राज्य के रूप में होना मन को टीस देने वाला

रायपुर। छत्तीसगढ़ की पहचान नक्सली राज्य के रूप में होना मन को बेहद टीस देने वाला है। इस छवि को बदलना होगा। इसमें सरकार के अलावा राजनैतिक दल, मीडिया जगत और पूरे समाज यहां तक कि हर आम नागरिक को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। हमारी सरकार छत्तीसगढ़ की तस्वीर और तकदीर दोनों बेहतर करने की दिशा में काम कर रही है। हमने ही बनाया है, हम ही संवारेंगे के सूत्र वाक्य को धारण कर मोदी जी की गारंटी पर काम करते हुए हम प्रदेश को विकसित छत्तीसगढ़ बनाने तैयार हैं।

एक साक्षात्कार में यह कहते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मां कौशल्या की यह पावन धरती रत्नगर्भा है। यह धान का कटोरा कोयला, लौह अयस्क, डोलोमाइट, बॉक्साइट, चूना पत्थर और टिन के भंडार से भरा है। देश के खनिज उत्पादन में छत्तीसगढ़ महतारी का योगदान 21.09 प्रतिशत, लौह अयस्क में 17.61 प्रतिशत, चूना पत्थर में 11.70 प्रतिशत, बॉक्साइट में 3.57त्न जबकि टिन अयस्क में शत-प्रतिशत है। यहां उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण है। 2030 तक हम 300 मिलियन मतलब लगभग 30 करोड़ टन प्रतिवर्ष स्टील उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लेंगे। कुछ वर्षों में हम देश के दूसरे सबसे बड़े स्टील उत्पादक राज्य होंगे। इसके बावजूद देश-विदेश में छत्तीसगढ़ को केवल नक्सली प्रभावित राज्य के रूप में पहचान मिलना ठीक नहीं है। यह पहचान हमें बदलना है।

श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के छोटे हिस्से में सिमटी नक्सल समस्या से हमारी डबल इंजन की सरकार मजबूती से लड़ रही है और हम इस के विरुद्ध लड़ाई में कामयाब होंगे। आने वाले 2 वर्षों में छत्तीसगढ़ को नक्सल समस्या से पूरी तरह मुक्त करना हमारा लक्ष्य है, जो अवश्य पूरा होगा। साय ने कहा कि यह दुर्भाग्यजनक है कि विपक्ष नक्सल उन्मूलन की राह में रोड़ा बनकर खड़ा हो गया है। कई बार वही कहता है जो नक्सली चाहते हैं। मीडिया हेडलाइंस में आने के लिए विपक्ष कुछ भी बोलने को तैयार खड़ा है, चाहे उससे प्रदेश का कितना भी नुकसान क्यों ना हो। यह ठीक नहीं है।

श्री साय ने कहा कि नियद नेल्लानार जैसी योजना नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास का सुखद एहसास करा रही है। यह योजना बेहद सफल रही है। तेंदूपत्ता का 5500 रुपये मूल्य आदिवासी वनवासियों का जीवन सरल करेगा। साय ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है। खुद स्व. राजीव गांधी यह स्वीकार कर चुके थे कि उनकी सरकार से जनता के लिए भेजे गए एक रुपये में से पचासी पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। भूपेश बघेल की सरकार ने भी यही किया। भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी कांग्रेस सरकार को उनके इन्हीं कर्मों की वजह से जनता ने रसातल में डुबो दिया।

श्री साय ने कहा कि जनता और कार्यकर्ता की बदौलत ही आज उन्हें इस जगह से जनता के हितों के लिए काम करने का मौका मिला है। उनकी सरकार छत्तीसगढ़ के बेहतर भविष्य के लिए काम कर रही है। मोदी की कुछ गारंटी पूरी हुई है और बाकी भी पूरी करेंगे। फिलहाल आचार संहिता लागू है। यह समाप्त होते ही सरकार का कामकाज गति पकड़ेगा। श्री साय ने कहा कि 2047 के छत्तीसगढ़ के लिए ठोस कार्य योजना पर काम चल रहा है। विकसित भारत में विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे अच्छी भागीदारी हो, यही उनकी सरकार का लक्ष्य है।

कथा की सार्थकता तभी सिद्ध होगी जब हम उस पर अमल करें : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कथा सुनने की सार्थकता तभी है जब हम अपने-अपने क्षेत्र में गौहत्या, धर्मांतरण तथा समाज में फैली अन्य कुरुतियों पर अंकुश लगाए और जो कुछ घट रहा है उसके खिलाफ एकजुट हो। यह बातें उन्होंने कुरुद में चल रही कथा वाचक प्रदीप मिश्रा की श्री गौरीशंकर शिवमहापुराण कथा में शामिल होते हुए कहीं। वे आज कथा श्रवण के लिए धर्मपत्नी कौशल्या साय के साथ पहुंचे हुए थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कथा वाचक प्रदीप मिश्रा का सम्मान किया। कथा में उपस्थित श्रद्धालुजनो को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम ने वनवास काल के 14 साल में से अधिकांश समय छत्तीसगढ़ में बिताया है तथा अलग-अलग क्षेत्रों में महादेव अलग-अलग नामों और रुपों में विराजमान है, यह छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है जो छत्तीसगढ़ के अध्यात्म के विकास में महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। धर्मांतरण पर उन्होंने कहा कि धर्मांतरण के नाम पर जो भी चल रहा है उस पर कैसे अंकुश लगाया जाए, कैसे उसकी दिशा बदली जाए इस पर कथा श्रवण के बाद लोगों को कार्य करने की आवश्यकता है तभी कथा श्रवण की सार्थकता सच्चे अर्थों में साबित होगी। न केवल धर्मांतरण बल्कि समाज में फैली अन्य कुरुतियों के खिलाफ भी आवाज उठाना हमारा ही एक दायित्व है।

इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक आडिटर ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ चेप्टर का शुभारम्भ

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा), श्री यशवंत कुमार द्वारा इंस्ट्रीट्यूट ऑफ पब्लिक आडिटर ऑफ इडिया (आईपीएआई) के छत्तीसगढ़ चेप्टर का शुभारम्भ किया गया। श्री यशवंत कुमार आईपीएआई-छत्तीसगढ़ चेप्टर के पदेन-अध्यक्ष भी हैं। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ का कार्य, समन्वित रूप से अब तक मध्यप्रदेश चेप्टर, भोपाल द्वारा संचालित किया जाता था।

गौरलतलब है कि इंस्ट्रीट्यूट ऑफ पब्लिक आडिटर ऑफ इडिया (आईपीएआई) की स्थापना वर्ष 1966 में एक सोसायटी के रूप में की गई थी, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के लेखांकन, ऑडिटिंग और सार्वजनिक वित्त क्षेत्रों की विशेषज्ञ सेवाएं शामिल हैं। देशभर में पेशेवर सेवाएं प्रदान करने वाली इस संस्था के 18 क्षेत्रीय कार्यालय और 2600 से अधिक सदस्य हैं।

वर्तमान में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक श्री गिरीश चंद्र मुर्मू,

आईपीएआई के पदेन-संरक्षक और भारत सरकार के पूर्व विशेष सचिव डॉक्टर सुभाष चंद्र पाण्डेय (सेवानिवृत्त आईएएस), अध्यक्ष हैं। भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा (आईएएएस), भारतीय नागरिक लेखा सेवा (आईसीएस), भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस), भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस), भारतीय भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईएसएस), भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग के वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी संवर्ग के सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारीगण इंस्ट्रीट्यूट ऑफ पब्लिक आडिटर ऑफ इडिया (आईपीएआई) के सदस्य होते हैं।

मतगणना के लिए अधिकारियों को दिया गया ट्रेनिंग

हर राउंड में टेबुलेशन चार्ट में अभिकर्ता करेंगे हस्ताक्षर

रायपुर। रायपुर जिले की लोकसभा निर्वाचन-2024 की मतगणना चार जून को सेजबहार स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में होगी। इसके लिए न्यू सर्किट हाउस ऑडिटोरियम में आरओ, डिप्टी डीईओ, एआरओ, एएआरओ, ईव्हीएम प्रभारी, पीबी नोडल, टेबुलेशन प्रभारी, सुरक्षा नोडल, टेक्निकल टीम, मास्टर ट्रेनर, डीआईओ और डीपीआरओ सहित अन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव में मतदान कर्मियों को ट्राली इत्यादि और मतदान केन्द्र में जो सुविधा दी गई, उसका सकारात्मक प्रतिसाद मिला है।

कलेक्टर ने कहा कि अब मतगणना होनी है, यह निर्वाचन का अंतिम और सबसे मुख्य हिस्सा है। इसे गंभीरतापूर्वक निर्वहन करें। सबसे मुख्य बात यह है कि मतगणना के दौरान संयमित व्यवहार करें। राजनैतिक दलों के अभिकर्ता को स्पष्ट जानकारी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि हर राउण्ड के बाद उनके

टेबुलेशन चार्ट पर अवश्य हस्ताक्षर लें। मतगणना का कार्य संवेदनशील है अतः बहुत ही सावधानीपूर्वक इस कार्य को क्रियान्वित करें। राज्य निर्वाचन आयोग से आए प्रशिक्षकगणों गीता दीवान, विनय अग्रवाल, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़, रुपेश कुमार वर्मा, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़, विनोद अगलावे, सिस्टम मैनेजर, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ ने मतगणना की प्रक्रिया को बारीकी से समझाया।

प्रशिक्षण स्थल पर मतगणना हॉल का मॉडल भी बनाया गया था, जिसमें डाकमत पत्र गणना टेबल , ईव्हीएम का गणना टेबल एवं वीवीपैट काउंटिंग बूथ को दर्शाया गया है। इस प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर किर्तीमान राठौर, देवेन्द्र पटेल एवं निधी साहू, उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे, उप ज़िला निर्वाचन अधिकारी बलौदबाजार, आर आर दुबे सुरक्षा नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक(ग्रामीण) कीर्तन राठौर अलावा प्रशिक्षण में आरओ एवं सभी 09 विधान सभा के एआरओ मौजूद रहे।

ओडिशा में गरजे मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, बोले-

25 सालों से लुट कर राज्य को बर्बाद कर दी नवीन पटनायक की सरकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव सम्पन्न होने के बाद प्रदेश के दिग्गज नेता दूसरे राज्यों में जाकर चुनावी प्रचार कर रहे हैं। राज्य के कैबिनेट मंत्री और रायपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल इन दिनों ओडिशा चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इस दौरान मंत्री अग्रवाल ने संबलपुर रोड शो किया। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने ओडिशा के राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला है।

ओडिशा चुनाव प्रचार पर आए मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को संबलपुर में बाइक रैली निकाली। मां समलेश्वरी की पूजा अर्चना के बाद रैली की शुरूआत समलेश्वरी माता मंदिर से हुई। यहां से हजारों कार्यकर्ता बाइक पर सवार होकर बड़ा बाजार, खेतराजपुर,

दुर्गामंगलम, बारेपाली होते हुए वापस दुर्गामंगलम पहुंची, जहां रैली का समापन हुआ। यहां बृजमोहन अग्रवाल ने एक सभा को भी संबोधित किया।

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि ओडिशा एक समृद्ध राज्य था, लेकिन पिछले 25 सालों में नवीन पटनायक सरकार ने लूट करी है। उसने राज्य को बर्बाद कर दिया है। उड़ीसा को फिर से विकास और समृद्धि के पथ पर लाने के लिए यहां भाजपा की सरकार बनाना बहुत ही जरूरी है। बृजमोहन अग्रवाल ने यह भी कहा कि राज्य में नाम के लिए नवीन पटनायक मुख्यमंत्री हैं, लेकिन असल में यहां की सरकार पांडियन चला रहे हैं, जिसका खौफ आम जनता में ही नहीं बल्कि यहां के मंत्रियों में भी हैं। सरकार के मंत्री भी कोई फैसला नहीं लेते सभी फैसले पांडियन लेता है।

दिल्ली और हरियाणा में कांग्रेस के पक्ष में प्रचार करेंगे बैज

रायपुर। पीसीसी चीफ दीपक बैज दिल्ली और हरियाणा में कांग्रेस के पक्ष में प्रचार करने रवाना हुए। वे सिरसा सीट में कुमारी शैलजा के पक्ष में प्रचार करेंगे। दिल्ली दौरे को लेकर दीपक बैज ने कहा, पार्टी जहां जिम्मेदारी देगी वहां काम करेंगे। हरियाणा और दिल्ली में पार्टी के पक्ष में प्रचार करेंगे।

अमित शाह के 4 जून को कांग्रेस ढूंढ़ो यात्रा करेंगे बयान पर बैज ने पलटवार करते हुए कहा, यह तय है कि 4 जून को नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे। हताशा, निराशा अमित शाह के बयानों में साफ झलक रही। कांग्रेस छोड़ भाजपा में गए नेताओं को दीपक बैज ने डिस्पोजल बताते हुए कहा, ये लोग कांग्रेस में थे तब फ्रंट पर रहकर काम करते थे। भाजपा में सभी नेता सिर्फ डिस्पोजल की तरह काम करेंगे। इनके भाजपा में जाने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। भाजपा नेता संबित पात्रा के भगवान जगन्नाथ को पीएम मोदी का भक्त कहे जाने वाले बयान की दीपक बैज ने आलोचना की। बैज ने कहा, कभी भगवना राम को लाते, अब भगवान जगन्नाथ को ले आए हैं। भगवान से बड़ा मोदी को बताने लगे हैं। देश की जनता इसे कभी स्वीकार नहीं करेगी।

राजीव भवन में याद किये गये राजीव गांधी

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन रायपुर में आज 21 मई 2024 को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज की उपस्थिति में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी की 33वीं पुण्यतिथि, आतंकवाद विरोध दिवस के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय में पुण्य स्मरण कर श्रद्धांजलि दी गयी एवं चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया गया।। भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर प्रदेश के सभी जिलों एवं ब्लाक कांग्रेस के कार्यालयों में आतंकवाद विरोध दिवस के रूप मनाया गया तथा आतंकवाद विरोध के लिए प्रतिज्ञा किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, महामंत्री कन्हैया अग्रवाल, महमूद अली, रमेश राम महंत संहित कांग्रेसजन उपस्थित थे।

ओपी चौधरी ने पूर्व कांग्रेस सरकार पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने मंगलवार को राज्य की जीडीपी में ऐतिहासिक वद्धि का दावा करते हुए राजस्व बढ़ाने के मामले में पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने पूर्व की कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि, पिछले सरकार ने व्यवस्था को बिगाड़ने का काम किया था, ताकि भ्रष्टाचारियों के जेब में ज्यादा पैसा डाल सके। इससे सरकार के खजाने में पैसा ऑटोमेटिक कम आया। इस कारण इसे सुधारने का प्रयास किया जा रहा है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने राजस्व बढ़ाने को लेकर कहा कि, कर प्रणाली में पूरी व्यवस्था में पारदर्शिता आती है, टेक्नोलॉजी आती है, व्यवस्था सुधरता है, तो सरकार के खजाने में ज्यादा पैसे जाता है और भ्रष्टाचारियों के जेब में पैसा कम जाता है। दुर्भाग्य से पिछले सरकार ने व्यवस्था को बिगाड़ने का काम किया था, ताकि भ्रष्टाचारियों के जेब में ज्यादा पैसा डाल सके। इससे सरकार के खजाने में पैसा ऑटोमेटिक कम आया। इस कारण से इसे सुधारने के लगातार प्रयास किया जा रहे हैं।

वित्त मंत्री ने आगे कहा कि, टेक्नोलॉजी प्रयोग कर पारदर्शिता लाने का उद्देश्य, ईमानदार टैक्सपेयर्स को प्रोत्साहित करना है। हमारे मुख्यमंत्री के नेतृत्व में यह सरकार लगातार कदम उठा रही है, निश्चित रूप से व्यवस्था में सुधार आएगा। ईमानदार टैक्स-पेयर्स को प्रोत्साहित किया जाएगा। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क के लिए अधिक राशि भी दी जाएगी।

वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने प्रदेश के जीडीपी को लेकर कहा कि, आने वाले 5 सालों में 5 लाख करोड़ से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ पहुंचाना है। यह हम सुनिश्चित कर सकें, इसलिए इन्वेस्टर का आना बहुत जरूरी है। कहां-कहां, क्या-क्या संभव है, उस दृष्टिकोण से लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इससे निश्चित रूप से परिणाम बेहतर आएंगे। विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में इन्वेस्ट भी होगा जीडीपी भी एक ऐतिहासिक तरीके से आगे बढ़ेगी।वित्त मंत्री चौधरी ने पूर्व की कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि, पिछली सरकार में भ्रष्टाचार था, माफिया राज था। जो इन्वेस्टर आते थे, उनको भी तरह-तरह से प्रताड़ित करते थे, इसीलिए इन्वेस्टर दूर से ही भाग जाते थे और जो आए वह भी काफी प्रताड़ित हुए हैं।वित्त मंत्री चौधरी ने रजिस्ट्री की प्रक्रिया में बदलाव और सरलीकरण को लेकर कहा कि, पूरे रजिस्ट्री की प्रक्रिया में सुधार के लिए प्रयास किया जा रहा है। आम जनता को टेक्नोलॉजी का प्रयोग करते हुए आसानी से सुविधा उपलब्ध हो सके, इसकी कोशिश की जा रही है। इसके साथ ही व्यवस्था में जो कुछ गड़बड़ियां (Loop Holes) हैं, जिससे लोगों को गड़बड़ी करने का मौका मिलता है, उन सब पर सुधार की दिशा में भी बड़े स्तर की परियोजना बनाई जा रही है। रणनीति काफी हद तक तैयार है, निश्चित रूप से सभी लोगों को इससे लाभ होगा। टेक्नोलॉजी का प्रयोग करते हुए पारदर्शिता लाने के लिए सुविधाओं में वृद्धि होगी। उड़ीसा में लोकसभा और राज्य सभा चुनावों को लेकर उन्होंने कहा कि, उड़ीसा में भी मोदी जी के नाम की लहर नहीं सुनामी है। उड़ीसा की जनता मोदी जी को आशीर्वाद देने के लिए सामने आ रही है। जनता पूरी तरीके से तैयार है। चाहे लोकसभा चुनाव का हो चाहे विधानसभा का हो 4 जून को जब रिजल्ट आएगा, उड़ीसा का रिजल्ट ऐतिहासिक होगा।

कलंकार नहीं अलंकार होता है कलाकार : विजय मिश्रा

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल के नाट्यशाला में लोकनाट्य कलंकार की प्रस्तुति की गई। संस्कार भारती द्वारा आयोजित समारोह में दर्शकों ने कलाकारों की भरपूर सराहना की। नाटक में कलाकारों के साथ समाज में होने वाले दोहरे व्यवहार का चित्रण, कलाकार की व्यथा को उजागर किया गया। नाटक के सूत्रधार वरिष्ठ लोक रंगकर्मी विजय मिश्रा अमित ने कहा कलाकार कभी कलंकार नहीं होता। वह समाज का अलंकार होता है। कला की साधना इबादत से कम नहीं है। कलंकार के लेखक नरेंद्र जलक्षत्रीय ने प्रमुख पात्र नचकार चंदन तथा संतोष यादव ने गुरु मां की भूमिका को अपने उम्दा अभिनय-नृत्य से जीवंत कर दिया। गांव के लंगड़े घाघ सरपंच के पात्र को विजय मिश्रा अमित ने अपने अद्भुत अभिनय से एवं चंदन की मां अहिल्या के चरित्र को मनीषा खोबरागड़े ने बेहद मार्मिक अभिनय से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। नूतन- रौशनी साहू ने झगड़ालू औरतों की प्रवृत्ति को बड़ी खूबसूरती से करके तालियां बटोरने में कामयाबी पाई। अन्य पात्रों में प्रांजल राजपूत, ओम निषाद, देवा कश्यप, ज्योति, पायल, सुनिधि साहू, मैरी मसीह, ऋषिका शुक्ला, अभिषेक पाण्डेय ने अभिनय और नृत्य प्रतिभा के बूते ऊंचाई दी। संगीत लाईट का प्रभावी संचालन नाटय निर्देशक अर्जुन मानिकपुरी ,नीतिश यादव, अंजलि भट्ट, मानसी साहू,,तोसन निर्मलकर, नारायण-लोकेश-चंद्रहास साहू, कृष्णा सपहा ने किया।

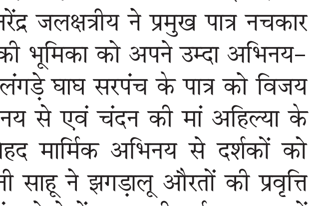

चुनावों में सामान्य नैरेटिव क्यों होते हैं नाकाम

देवांशु दत्ता

भारतीय जनता पार्टी के लिए 2024 के चुनाव अभियान की एक बड़ी चुनौती यह है कि उसे विपक्षी दलों की ओर से प्रधानमंत्री पद का कोई ऐसा दावेदार नहीं मिल रहा है जिसके खिलाफ मोर्चा खोला जा सके। अगर ऐसा होता तब भाजपा को विपक्ष के प्रधानमंत्री पद के दावेदार के खिलाफ जोरदार तरीके से मुहिम छेड़ने में काफी आसानी हो जाती। वर्ष 2014 से ही भाजपा की लोक सभा की चुनावी रणनीति, एक व्यक्ति पर केंद्रित राष्ट्रपति शैली वाले प्रचार अभियान पर आधारित रही है। यह बेहद सामान्य रणनीति है लेकिन स्टार प्रचारक के होने का फायदा भी पार्टी को मिलता रहा है। हालांकि पार्टी के पक्ष में यह बात ज्यादा अच्छी होती अगर सामने विपक्ष का कोई कमजोर प्रधानमंत्री उम्मीदवार होता। ऐसे में इस उम्मीदवार को लक्षित करना और तुलनात्मक रूप से कमतर दिखाना भी सरल हो जाता। लेकिन इस चुनाव में ऐसा कोई एक व्यक्ति सामने नहीं है जिसे सत्ता पक्ष के मुख्य चेहरे के बरक्स खड़ा कर निशाना साधा जाए। विपक्ष से जुड़े किसी ऐसे व्यक्ति के अभाव में सत्ता पक्ष के स्टार प्रचारक को मतदाताओं से स्थानीय मुद्दों पर बात करने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है, जबकि क्षेत्रीय दल कई स्पष्ट और भावनात्मक तर्क पेश करने में सक्षम हैं। विपक्ष थोड़ा बेहतर तरीके से ऐसे संगठित है कि कई क्षेत्रीय दल अपने गढ़ में अच्छी टक्कर देने के लिए तैयार हैं और कांग्रेस भी द्विपक्षीय गठबंधन में कनिष्ठ साझेदार बनने के लिए तैयार है। इसी वजह से भाजपा के स्टार प्रचारक को वास्तविक मुद्दों के बजाय अक्सर निजी हमले का सहारा लेना पड़ रहा है। मिसाल के तौर पर उन्होंने अपमानजनक लहजे में किसी एक राज्य के मुख्यमंत्री के लिए दावा किया कि मुख्यमंत्री को जिले के मुख्यालय का नाम नहीं पता है और दूसरी क्षेत्रीय पार्टी को 'फर्जी बच्चा' भी कह दिया। आखिरी दो लोक सभा चुनावों के मुद्दे स्पष्ट और सामान्य थे जिसे भाजपा ने अच्छी तरह सोच-समझकर तैयार करते हुए पेश भी किया। वर्ष 2014 में इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया गया कि भाजपा के मुख्य उम्मीदवार ऐसे सुधारक हैं जो भ्रष्टाचार खत्म कर वृद्धि की रफ्तार बढ़ाएंगे। हकीकत चाहे जो भी हो लेकिन यह कथ्य (नैरेटिव) लोगों को बेहद भाया। वर्ष 2019 में भी 'देश की सुरक्षा करने वाले' जैसी बातें लोगों ने स्वीकार कीं। इसी वजह से भाजपा 'चुनावी लहर' में दो बार जीतने में सक्षम रही। पार्टी की वोट हिस्सेदारी में वर्ष 2009 (22 फीसदी) और 2019 (37 फीसदी) के बीच 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई और इसकी सीटें भी 116 (वर्ष 2009) से बढ़कर 303 (वर्ष 2019) हो गईं। वर्ष 2024 के चुनाव का सामान्य मुद्दा, बेरोजगारी और आर्थिक संकट से जुड़ा है और भाजपा इस स्थिति में नहीं है कि वह दावा कर सके कि उसके पास इसका कोई ठोस समाधान है क्योंकि पार्टी 10 साल से सत्ता में है और वह इन मुद्दों पर कोई सार्थक पहल करने में सक्षम नहीं हो पाई है। भारत इतना विविधताओं और असमानताओं से भरा हुआ है कि इसे किसी सरल कथ्य या बयान से नहीं समझाया जा सकता। यहां दुनिया के किसी भी देश से ज्यादा मान्यता प्राप्त भाषाएं हैं। यहां की जलवायु तथा भौगोलिक दशाओं में भी काफी विविधता है। इसके अलावा आर्थिक और मानव विकास सूचकांक में भी बड़ा अंतर है। विविधता के मामले में इसकी केवल यूरोपीय संघ के साथ तुलना की जा सकती है जो एक महाद्वीप में फैले 27 अलग-अलग संप्रभु राष्ट्रों का समूह है। हालांकि यूरोपीय संघ भी भारत की तुलना में कम विविधता वाला है। वहां आर्थिक असमानता भी कम होने के साथ ही मानव विकास सूचकांक का दायरा भी कम है। असमानता मापने के लिए प्रति व्यक्ति आय और साक्षरता दर को आधार माना जा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में बिहार (सबसे गरीब राज्य) की प्रति व्यक्ति आय लगभग 48,000 रुपये सालाना थी जबकि गोवा में यह सालाना लगभग 4.7 लाख रुपये थी जो देश के शीर्ष और सबसे निचले मानकों वाले राज्यों के बीच लगभग 10:1 के अंतर को दर्शाता है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रति व्यक्ति औसत आमदनी लगभग 1.48 लाख रुपये थी। यूरोपीय संघ के देशों में बुल्गारिया सबसे गरीब है जिसकी प्रति व्यक्ति आय 16,900 डॉलर है वहीं लक्जमबर्ग सबसे अमीर है, जिसकी प्रति व्यक्ति आय 1,31,380 डॉलर है। यूरोपीय संघ की औसत प्रति व्यक्ति आय 36,000 डॉलर है। पूरे यूरोपीय संघ में साक्षरता दर करीब शत-प्रतिशत है।

खरगे 'अधीर' और रंजन के तेवर

अभिनय आकाश

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बीते दिनों बिना अधीर रंजन चौधरी का नाम लिए कहा कि वे फैसला करने वाले कोई नहीं होते हैं। कांग्रेस फैसला करेगी, हाईकमान तय करेगी कि क्या सही है, हम सभी को उसका फिर पालन भी करना ही होगा, अगर कोई पालन नहीं करना चाहता तो उसे बाहर जाना होगा। अधीर रंजन ने साफ कहा है कि जो भी बंगाल में कांग्रेस को बर्बाद करना चाहेगा, उसके साथ किसी भी तरह की सहानुभूति नहीं रखी जा सकती।

साल 2007 की बात है प्रतिभा देवीसिंह पाटिल को यूपीए की तरफ से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया गया और दिल्ली के अशोका होटल में सोनिया गांधी ने डिनर का आयोजन किया। वैसे तो इस डिनर का मुख्य मकसद सांसदों की प्रतिभा पाटिल से मुलाकात कराना था। लेकिन उस वक्त कांग्रेस के दिग्गज नेता प्रियरंजन दास मुंशी के साथ बैठे एक नेता का परिचय सोनिया गांधी ने 'टाइगर ऑफ बंगाल' के रूप में कराया। वो नाम है लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी। अधीर अक्सर कहते रहे हैं कि वे एक पैदल सिपाही हैं जो युद्ध के मोर्चे पर हमेशा सामने खड़ा रहता है। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में आज बंगाल की 7 सीटों पर वोटिंग हुई। इन 7 सीटों पर 88 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला 4 जून को वोटों की गिनती के साथ सामने आएगा। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को लेकर कांग्रेस में रार दिखने लग गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बंगाल कांग्रेस के प्रमुख अधीर रंजन चौधरी के सामने ममता बनर्जी के मुद्दे पर मर्यादा की लकीर खींच दी है। खरगे का कहना है कि वो फैसला करने वाले नहीं हैं, फैसला करने के लिए हम बैठे हैं। कांग्रेस फैसला करेगी, यहां आलाकमान है। हम सभी को उसका फिर पालन भी करना ही होगा। अगर कोई पालन नहीं करना चाहता तो उसे बाहर जाना होगा। वहीं खरगे के बयान पर अधीर रंजन ने कहा कि बंगाल में कांग्रेस को बर्बाद करने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ सहानुभूति नहीं रख सकते। मैं पार्टी के एक व्यक्ति के रूप में इस लड़ाई को नहीं रोक सकता। मेरी लड़ाई एक वैचारिक लड़ाई है और ये कोई निजी लड़ाई नहीं है। लेकिन खरगे की अधीर को चेतावनी की वजह से बंगाल के कार्यकर्ता नाराज हैं। पोस्टर में लगे कांग्रेस अध्यक्ष की तस्वीरों पर स्याही पोत दी गई। ऐसे में सवाल ये है कि क्या बंगाल में कांग्रेस का संगठन बिखरने वाला है?

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम बंगाल कांग्रेस प्रमुख और लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी लड़ाकू सिपाही बताया। अधीर रंजन चौधरी की यह प्रशंसा खड़गे द्वारा तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने के लिए पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष की आलोचना करने के कुछ दिनों बाद आई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बीते दिनों बिना अधीर रंजन चौधरी का नाम लिए कहा कि वे फैसला करने वाले कोई नहीं होते हैं। कांग्रेस फैसला करेगी, हाईकमान तय करेगी कि क्या सही है, हम सभी को उसका फिर पालन भी करना ही होगा, अगर कोई पालन नहीं करना चहता तो उसे बाहर जाना होगा।

अधीर रंजन ने साफ कहा है कि जो भी बंगाल में कांग्रेस को बर्बाद करना चाहेगा, उसके साथ किसी भी तरह की सहानुभूति नहीं रखी जा सकती। मैं तो पार्टी का एक सिपाही हूं और अपनी लड़ाई को बीच में नहीं रोक सकता हूं। मेरी वैचारिक लड़ाई चल रही है, कोई निजी लड़ाई नहीं है। हमे तो बंगाल में कांग्रेस को बचाना है, यहां बीजेपी-टीएमसी साथ में है। इसके ऊपर अधीर रंजन ने तल्ख अंदाज में यहां तक कह दिया कि वे भी सीडब्ल्यूसी और हाईकमान के सदस्य हैं। वे साफ कह रहे हैं कि हाईकमान के बीच में उनकी भी चलती है। यानी कि ममता को लेकर कांग्रेस के ही दो दिग्गज आमने-सामने आ चुके हैं।

बिहार पर नजर डालें तो वहां कांग्रेस ने लालू यादव की राष्ट्रीय जनता दल के सामने सालों से समर्पण कर रखा है। आलम तो ये भी देखने को मिला था कि कांग्रेस आलाकमान (प्रियंका गांधी) के कहने पर पप्पू यादव ने अपनी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय करा लिया। उन्हें उम्मीद थी कि लोकसभा चुनाव में महागठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर पूर्णिया से टिकट मिल जाएगी। लेकिन लालू ने इस सीट पर अपना वीटो करते हुए जदयू से आई विधायक को बिना किसी सलाह के सिंबल दे दिया। कांग्रेस कुछ भी न कर सकी। वहीं उत्तर प्रदेश के अंदर कांग्रेस बार बार समाजवादी पार्टी के साथ इस उम्मीद में आती है कि उससे कुछ तो फायदा हो जाएगा। लेकिन पहले तो विधानसभा चुनाव में सपा के साथ लड़कर सात सीटों पर सिमटने के बाद इस बार लोकसभा में अपनी सीट को बढ़ाने की कोशिश में लगी है। वैसे तो उत्तर प्रदेश से कांग्रेस की विदाई दो दशक से भी ज्यादा समय पहले से ही हो चुकी है। बंगाल का हाल देखें तो वहां ममता बनर्जी ने पहले ही कांग्रेस की हैसियत 2 सीटों से ज्यादा की नहीं बताई है। वहीं बंगाल में ममता बनर्जी ने गठबंधन तक करने से मना कर दिया। कांग्रेस की वैचारिक शून्यता का खामियाजा उसके कार्यकर्ताओं को झेलना पड़ रहा है। कांग्रेस कह रही है कि वो जिसके खिलाफ चुनाव लड़ रही है उसके खिलाफ कुछ न बोला जाए। कांग्रेस भले ही गर्त में चली जाए लेकिन ममता न नाराज हो पाए। दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान को ये उम्मीद है कि अगर आगे चलकर हमारी सरकार बनती है तो इंडिया गठबंधन का हिस्सा ममता बनर्जी बन सकती है। लगता है कि कांग्रेस ने खुद को खड़ा करने की उम्मीद जैसे छोड़ सी दी है।

अगर बंगाल में मुस्लिम वोट ममता बनर्जी से टूटता है तो वो या तो वाम दल या फिर कांग्रेस के ही खाते में जाएगा। लेकिन कांग्रेस ने तो पहले ही टीएमसी के सामने समर्पण कर दिया है। खरगे की तरफ से लोकसभा में नेताप्रति पक्ष को इस अंदाज में हिदायत दिया जाना पार्टी में कलह को और बढ़ाएगा। खरगे ने जिस अंदाज में कहा कि जो पालन नहीं करेगा उसे बाहर जाना होगा। ऐसे में क्या अधीर रंजन चौधरी लोकसभा चुनाव के बाद इस्तीफा दे देंगे? जब वहां वो अपनी राजनीति नहीं कर सकते और अपने संगठन को सही रास्ता पर नहीं लेकर जा सकते तो विकल्प ही क्या बचा है।

अधीर रंजन चौधरी बंगाल के नेता हैं, वहां प्रदेश और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कांग्रेस को खुद भी आत्म अवलोकन करने की आवश्यकता है। क्या राहुल गांधी वहां एक पंचायत में भी चुनाव के समय उम्मीदवार को जिता सकते हैं? आपको याग होगा कुछ समय पहले ही राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाली थी। जब वो बंगाल में पहुंचे तो कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने दावा किया कि एक कार अज्ञात व्यक्तियों ने राहुल गांधी की कार पर पथराव कर दिया। जिससे गाड़ी का शीशा तक टूट गया। राहुल गांधी को टेंट लगाने तक के लिए परमिशन नहीं मिली। वहीं अधीर रंजन उन टूटू हुए शीशे वाली गाड़ी में चल रहे थे। अधीर रंजन बंगाल में कांग्रेस के संगठन को देख रहे हैं। ऐसे में कहा जाता है कि आपको रहना है रहो जाना है जाओ। कांग्रेस को क्या लगता है कि अधीर रंजन अकेले जाएंगे? पार्टी को अंदाजा नहीं है क्या कि प्रदेश का संगठन भी इससे बिखड़ सकता है। पिछली बार कांग्रेस बंगाल से जो दो सीटें ला पाई थी उसमें से एक पर अधीर रंजन ने जीत दर्ज की थी। बंगाल की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दो सीटें मिलने के बावजूद वहां से ही लोकसभा नेता प्रतिपक्ष बनाया।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगचूडामणि उपनिषद् (भाग-8)

गतांक से आगे...

बिन्दु ब्रह्मारूप है तथा रज शक्तिस्वरूप है, बिन्दु चन्द्ररूप और रज सूर्यरूप है। इन दोनों का योग (मिलन) होने से ही परमपद की प्राप्ति होती है। जब वायु (प्राणायाम) से शक्तिचालिनी मुद्रा के द्वारा गमनशील रज बिन्दु से एकाकार हो जाता है, तब शरीर दिव्य हो जाता है।

रज का संयोग सूर्य में और शुक्ल (शुक्र) का संयोग चन्द्र में जिस प्रकार होता है, उस विषय को और दोनों के एकाकार होने को जानने वाला साधक योगवेत्ता कहा जाता है।

जिस साधना के द्वारा नाड़ी-समूह का शोधन किया जाता है तथा सूर्य-चन्द्र को चलाया जाता है एवं रस का शोषण किया जाता है, उसे महामुद्रा कहते हैं। बायें पैर से योनि स्थान पर दबाव डालते हुए, ठोढ़ी को छाती से लगाये और दायाँ पैर सीधा फैलाकर दोनों हाथों से पैर की अंगुलियों सहित पैर पकड़कर दोनों कुक्षियों अर्थात् पेट में पूरा श्वास भरकर धीरे-धीरे बाहर निकाले। यह महामुद्रा की क्रिया समस्त प्रकार की व्याधियों को नष्ट करती है। अभ्यास क्रम में सर्वप्रथम बायीं नासिका चन्द्रअंश से श्वास खींचकर रेचन करते हुए अभ्यास करे, फिर दायीं नासिका सूर्यअंश से श्वास खींचकर रेचन का अभ्यास करना चाहिए। जब दोनों स्वर (चन्द्र-सूर्य) समान हो जाएँ, तब अभ्यास बन्द करना चाहिए।

इस महामुद्रा के करने से पथ्य-अपथ्य अथवा सभी तरह का नीरस भोजन सरस हो जाता है। भोजन अधिक कर लेने पर तथा विष भी खा लेने पर वह अमृत के समान पच जाता है। इस महामुद्रा के अभ्यास करने वाले साधक को इसके प्रभाव से क्षय, कुष्ठ, गुदावर्त (भगन्दर), गुल्म (तिल्ली बढ़ना), अजीर्ण आदि एवं भविष्य में होने वाले सभी रोगों से छुटकारा मिल जाता है।

क्रमशः ...

कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने वाले समाज सुधारक थे राजा राममोहन राय

मृत्युंजय दीक्षित

भारत में स्वतंत्र पत्रकारिता के जनक व समाजसेवी ब्रह्म समाज के संस्थापक राजा राममोहन राय का जन्म 22 मई सन् 1772 ई. में बंगाल के एक धार्मिक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। राममोहन के पूर्वजों ने बंगाल के नवाबों के यहां उच्च पद पर कार्य किया किन्तु उनके अभद्र व्यवहार के कारण पद छोड़ दिया। वे लोग वैष्णव सम्प्रदाय के थे।

समाज सुधार तथा धर्मसुधार एक दूसरे से अलग नहीं किये जा सकते तथा एक में सुधार करने करने के लिए दूसरे में सुधार अपेक्षित है। इस बात का सर्वप्रथम प्रतिपादन राजामोहन राय ने किया। उन्होंने समस्त धार्मिक परिशीलन करते हुए कहा कि ईश्वर ही एकमात्र सत्य है और यह ईश्वर रूपी सत्य सभी धर्मों का मत है अतः इसी विचारधारा के प्रचार-प्रसार के लिए, ब्रह्म समाज की स्थापना की। ब्रह्म समाज 1828 में स्थापित हुआ। राजा राममोहन राय ने भारतीय जनमत में परिवर्तन लाने के लिए अंग्रेजी शिक्षा को उपयुक्त एवं आवश्यक

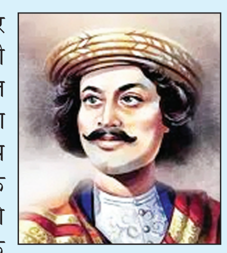

बताया। सन् 1827 में हिन्दू कालेज की स्थापना हुई जो बाद में प्रेसीडेंसी कालेज के रूप में विख्यात हुआ। सन् 1830 में एक अंग्रेज यात्री अलेक्जेण्डा उफ्फ ने अंग्रेजी स्कूल खोलने में सहायता की।

राजा राममोहन राय ऐसे पहले भारतीय थे जिन्होंने समाचार पत्रों की स्थापना, संपादन तथा प्रकाशन का कार्य किया। राय ने अंग्रेजी, बांग्ला तथा उर्दू में अखबार निकाले। राजा राममोहन राय को स्वतंत्र पत्रकारिता का जनक भी कहा गया है। प्रेस की स्वतंत्रता के लिए उन्होंने कठिन संघर्ष किया। राजा राममोहन राय ने धार्मिक एवं सामाजिक विचारों के प्रसार के लिए 20 अगस्त सन् 1828 ईसवीं में कलकत्ता में ब्रह्म समाज की स्थापना की।

ब्रह्म समाज की स्थापना से भारतीय सभ्यता में नवप्रभात का आगमन हुआ। इस समाज ने प्रायश्चित को मोक्षप्राप्ति का मार्ग बताया जिसका तात्पर्य यह था कि मनुष्य पाप करने में सहज रूप में प्रवृत्त हो जाता है। अतएव उसे सामाजिक कठोर दंड न देकर उसे फिर से अच्छा जीवन व्यतीत करने का अवसर देना चाहिये। ब्रह्म समाज ने एक प्रकार से हिन्दुओं की धार्मिक एवं सामाजिक क्रान्ति का सूत्रपात किया।

राजा राममोहन राय ने नारी समाज के उद्धार के लिये अनेक प्रयास किये। उनके व्यक्तित्व को महत्व देने के लिये उनके सहयोगियों ने सती होने की अमानुषिक प्रथा को कानून से रोकने का आंदोलन प्रारम्भ किया। यह उनके ही प्रयास का परिणाम था कि 1828 में सती प्रथा को समाप्त करने का कानून बनाया गया। उन्होंने विधवा विवाह का भी समर्थन किया था। उनके व्यक्तित्व दृष्टिकोण एवं विचार पर गहन दृष्टि डालने से यह स्पष्ट हो रहा है कि उनके विचारों पर पाश्चात्य सभ्यता का प्रभाव था। उन्होंने एकेश्वरवाद का प्रसार किया तथा मूर्ति पूजा, बलिप्रथा, भेदभाव, छुआछूत, बहुविवाह एवं सती प्रथा का विरोध किया। वे सभी संस्कृतियों में समन्वय में विश्वास रखते थे। वे धर्मसहिष्णु थे। अपने जीवन के अंतिम दिनों में हिन्दुओं के सामने नया उदाहरण रखते हुये इंग्लैंड गये जहां इन्होंने भारत के निस्तेज एवं शक्तिहीन बादशाह का प्रतिनिधित्व किया।

अमेरिकी विवि में प्रदर्शन और फैकल्टी की खामोशी

टीटी राम मोहन

अमेरिकी विश्वविद्यालयों के परिसर पिछले महीने गाजा में छिड़ी लड़ाई के विरोध प्रदर्शन से उबल पड़े। फिलिस्तीन के समर्थन में हो रहे ये प्रदर्शन अभी जारी हैं और अब पूरे यूरोप में फैल चुके हैं। इन प्रदर्शनों ने विश्वविद्यालयों में अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर कुछ बुनियादी प्रश्न उठाए हैं। विश्वविद्यालयों के प्रशासक जो प्रायः अपने-अपने विषय के विशेषज्ञ हैं उन पर प्रदर्शनकारियों को खामोश रखने का दबाव है। खुद उनकी आवाज को भी दबाया गया है। ऐसे प्रदर्शनों से निपटने के लिए विश्वविद्यालयों को अभिव्यक्ति की आजादी और परिसर में व्यवस्था बनाए रखने के बीच संतुलन कायम करना होगा। अमेरिकी सिविल लिबर्टीज यूनियन ने इसके लिए ऐसे नियम तय किए जिन पर शायद ही कोई झगड़ा हो।

पहला, कोई भी नजरिया चाहे वह जितना आक्रामक हो, उसे सेंसर नहीं करना चाहिए या अनुशासन के दायरे में नहीं लाना चाहिए। दूसरा, किसी छात्र या समूह को अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर निशाना नहीं बनाना चाहिए या धमकाना नहीं चाहिए। तीसरा, विश्वविद्यालय प्रदर्शन करने के समय और स्थान को नियंत्रित कर सकते हैं ताकि विश्वविद्यालय का सामान्य कामकाज प्रभावित न हो। चौथा, पुलिस केवल अंतिम उपाय के रूप में बनानी चाहिए। इन परिसरों के नेताओं को राजनीतिक दबाव में नहीं आना चाहिए।

विश्वविद्यालयों के अधिकारियों के लिए विरोध प्रदर्शनों को इन नियमों के अधीन करने में मुश्किल नहीं होनी चाहिए। दुख की बात है कि कई अमेरिकी विश्वविद्यालयों में हालात हाथ से निकल गए। कई जगह सामान्य हालात में भी छात्रों से निपटने के लिए पुलिस और आतंकवाद निरोधक दस्तों तक को बुलाया गया। विश्वविद्यालयों की यह प्रतिक्रिया

निराश कर सकती है लेकिन किसी को बहुत अधिक चकित होने की आवश्यकता नहीं। अमेरिका विश्वविद्यालयों के परोपकारी योगदान के मामले में विशिष्ट स्तर पर है। दानकर्ता अक्सर वहां वित्तीय मदद का सबसे बड़ा स्रोत होते हैं। छात्रों के शुल्क से तो विश्वविद्यालय चलाने का खर्च तक नहीं निकलता। इसके अलावा विश्वविद्यालयों को सरकार से भी शोध परियोजनाओं के लिए भारी फंड मिलता है। उदाहरण के लिए, अमेरिकी रक्षा विभाग ऐसी फंडिंग का ऐतिहासिक स्रोत रहा है। कंपनियां भी शोध परियोजनाओं को फंड करती हैं। प्रमुख दानदाताओं, बड़ी कंपनियों और राजनेताओं ने इन परिसरों में फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों को लेकर अपनी नाखुशी कभी नहीं छिपाई। अमेरिकी दानदाता और राजनेताओं ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कहने पर विरोध प्रदर्शनों का दमन भी किया। एक तरफ विश्वविद्यालयों और सरकार तथा दूसरी ओर निजी क्षेत्र के संबंध इतने गहरे हैं कि ये एक दूसरे के खिलाफ नहीं जा सकते। छात्रों की मांग है कि विश्वविद्यालय उन कंपनियों से दूरी बनाएं जो इजरायल से जुड़े हैं। ऐसे में मांग माने जाने के बजाय विश्वविद्यालयों के खिलाफ कदम उठाना लाजिमी था। ऐसा नहीं है कि केवल विश्वविद्यालयों के प्रशासक ही बाहरी दबाव महसूस कर रहे हैं। फैकल्टी सदस्य भी छात्रों के वैध प्रदर्शन के पक्ष में नहीं आ पा रहे हैं। कोलंबिया विश्वविद्यालय में 111 सदस्यों वाली विश्वविद्यालय सीनेट ने अन्य बातों के अलावा विश्वविद्यालय अध्यक्ष के पुलिस बुलाने के निर्णय की निंदा की लेकिन इसके खिलाफ मतदान नहीं किया। हार्वर्ड में करीब 300 शिक्षकों ने एक पत्र पर हस्ताक्षर करके विश्वविद्यालय अध्यक्ष से मांग की कि वह प्रदर्शनकारी छात्रों से बातचीत करें। विश्वविद्यालय के 2,400 अध्यापकों में यह संख्या बहुत छोटी है।

हस्ताक्षर करने वालों में से अधिकांश मानविकी विभागों से थे। हार्वर्ड के प्रसिद्ध कानून, कारोबार, चिकित्सा और भौतिकी, रसायन तथा अर्थशास्त्र विभागों के शिक्षक सूची से मोटे तौर पर अनुपस्थित नजर आए। कुछ ही विश्वविद्यालयों में शिक्षकों ने नेतृत्व के खिलाफ अविश्वास मत जाहिर किया। ऐसा बहुत कम देखने को मिला। आप सोच सकते हैं कि अमेरिका के तमाम नोबेल विजेता और अन्य वैचारिक नेतृत्वकर्ता कहां हैं। कोलंबिया विश्वविद्यालय के जोसेफ स्टिगलिट्ज जो स्वयं एक यहूदी हैं, उन्होंने 'अकादमिक स्वायत्तता में हस्तक्षेप' की आलोचना की है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, 'वे (छात्र) दुनिया में क्या हो रहा है उससे समानुभूति रखते हैं। इतनी बड़ी तादाद में लोगों को मरते और घायल होते देखकर आखिर कोई कैसे प्रतिक्रिया नहीं देगा?' प्रोफेसर स्टिगलिट्ज एक अपवाद हैं जबकि अमेरिका के अकादमिक जगत में अधिकांश लोग खामोश हैं।

अमेरिका में शिक्षकों के भी दो समूह हैं- क्लिनिकल फैकल्टी अधिकतर शिक्षण करती है और वे अनुबंध पर होते हैं। वे ऐसे मसलों पर कोई रुख अपनाकर अपनी नौकरी को दांव पर नहीं लगाना चाहते। दूसरी तरह के शिक्षक वे हैं जो जिनकी नौकरी पूरी तरह सुरक्षित है और उनकी सेवानिवृत्ति की उम्र तय नहीं है। ऐसा संरक्षण हासिल होने के कारण लोग उम्मीद करते हैं कि वे अकादमिक स्वायत्तता को लेकर बात करेंगे। परंतु ऐसा नहीं हुआ। बीते दशकों में अमेरिकी अकादमिक जगत में संचालन में परिवर्तन आया है। अमेरिकी विश्वविद्यालय फैकल्टी संचालित माने जाते हैं। यानी फैकल्टी सदस्यों से उम्मीद की जाती है कि वे कॉलेज और विश्वविद्यालयों के संचालन में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। बीते दो या तीन दशक में अमेरिकी कॉलेज डीन केंद्रित हो गए हैं यानी डीन के पास अधिक ताकत एकत्रित हो गई है। वित्तीय स्थिति, फैकल्टी की नियुक्ति और उनका नियमितीकरण तथा उनको मिलने वाले वेतन भत्ते (और सालाना वेतनवृद्धि) आदि सभी ऐसे मामले हैं जिन पर डीन को अधिक नियंत्रण हासिल है। जो प्रोत्साहन अकादमिक प्रशासकों को दानदाताओं और राजनेताओं की मर्जी के मुताबिक काम करने को प्रेरित करते हैं वही फैकल्टी पर नियंत्रण में भी मदद करते हैं। फैकल्टी के प्रतिष्ठित सदस्य ऐसे पदों पर हैं जो धनी दानदाताओं की बदौलत हैं, फिर चाहे वे कोई व्यक्ति हों या कंपनियां। शोध परियोजनाओं के लिए फंड और मोटे तौर पर कॉलेज या विश्वविद्यालय के भीतर शक्ति या प्रभाव के लिए यह आवश्यक है कि फैकल्टी प्रशासकों और दानदाताओं को खुश रखें।

अपने कॉलेज या विश्वविद्यालय में और डीन तथा अध्यक्षों से निपटने के मामले में फैकल्टी को यह पता होता है कि कैसे मामले को दबाना है। ऐसा केवल अमेरिका में नहीं है। मैंने अकादमिक जगत में काफी वक्त बिताया है और मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अकादमिक जगत की आंतरिक संस्कृति किसी कंपनी से एकदम अलग नहीं होती। दुनिया के अन्य समझदार लोगों की तरह अकादमिक जगत के लोग भी जानते हैं कि कौन सी बात उनके लिए लाभदायक साबित होगी।

आज का इतिहास

1939 द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी और इटली के बीच स्टील की संधि पर हस्ताक्षर।

1943 ब्रिटिश कमांडो ने एक ऑपरेशन फ़ैरियर में मैग्जेट के युगोस्लाविया द्वीप पर छापे मारे।

1945 संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना ने रॉकेटन्कोलॉजी के विकास में मदद करने के लिए जर्मनोविज्ञानी और इंजीनियरों को खाली करने की योजना बनाई।

1958 सीलोन में जातीय दंगे भड़क उठे, जिनमें ज्यादातर श्रीलंकाई तमिलों को निशाना बनाया गया, जिसके परिणामस्वरूप अगले दिनों में 300 से अधिक मौतें हुईं।

1960 दक्षिणी चिली, हवाई, जापान, फिलीपींस, पूर्वी न्यूजीलैंड, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया और अलेउटियन द्वीप समूह को प्रभावित करते हुए 22 मई 1960 को पल की तीव्रता के पैमाने पर 9.5 मापने वाला महान चिली भूकंप आया। यह विश्व इतिहास में अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप था।

1960 9.5 तीव्रता वाले भूकंप ने वल्दिविया, चिली में विनाशकारी विनाशकारी सुनामी सुनाई जो अगले दिन हवाई तक पहुंच गई।

1960 आज ही के दिन सदर्न चिली में 9.5 तीव्रता का भूकंप आया था। ये अब तक का आया सबसे ज्यादा तीव्रता का भूकंप रिकॉर्ड किया गया था।

1972 सीलोन ने अपना नाम बदलकर श्रीलंका (प्रतीक चित्र), नया संविधान अपनाया और आधिकारिक तौर पर एक गणतंत्र बन गया।

1980 आर्केड गेम पीएसी मैन 22 मई, 1980 को नमको द्वारा जारी किया गया था। यह सबसे प्रसिद्ध आर्केड गेम और सभी समय के सबसे अधिक कमाई वाले वीडियो गेम में से एक है।

1980 पीएसी-मैन, एक आर्केड गेम जो 1980 के दशक की लोकप्रिय संस्कृति का प्रतीक बन गया, उसने जापान में अपनी शुरुआत की।

1990 यमन अरब गणराज्य और पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ यमन का विलय यमन गणराज्य हो गया।

1992 बोस्निया और हर्जेगोविना, क्रोएशिया और स्लोवेनिया संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुए।

2003 स्वीडिश पेशेवर गोल्फर अन्निका सोरेनस्टैम 2245, 22 मई, 2003 को टेक्सास के फोर्ट वर्थ में पीजीए टूर इवेंट में खेलने वाली पहली महिला बनीं, क्योंकि 1945 में लॉस एंजेलिस ओपन हुआ था, जो बेबे जहरियास द्वारा योग्य थी।

मोदी का वह एजेंडा जिसके लिए चाहिए चार सौ पार

अजय सेतिया

नरेंद्र मोदी का चार सौ पार का नारा चुनाव में चर्चा का विषय बना चुका है। हालांकि जबसे विपक्ष ने यह कहना शुरू किया कि मोदी इस जनादेश से आरक्षण खत्म कर देंगे तो मोदी ने 400 पार का नारा लगवाना बंद कर दिया। अब उसकी जगह पर तीसरी बार मोदी सरकार का नारा लगवाते हैं।

इसका एक कारण यह भी हो सकता है कि उन्हें खुद यह टार्गेट असंभव लगने लगा हो। या विपक्ष के आरक्षण खत्म करने वाले नेरेटिव की वजह से ट्रेक चेंज किया हो। वैसे मोदी और अमित शाह सफाई देते घूम रहे हैं कि आरक्षण हम तो क्या बाबा साहेब आम्बेडकर भी खत्म नहीं कर सकते। लेकिन विपक्ष भ्रम पैदा करने में काफी हद तक कामयाब होता दिख रहा है, खासकर कम पढ़े लिखे लोगों में और ग्रामीण इलाकों में।

दलित और ओबीसी परिवारों में चिंता बनी है कि क्या विपक्ष की आशंका सही है। क्या मोदी सचमुच जाति आधारित आरक्षण खत्म करके आर्थिक आधार पर आरक्षण करना चाहते हैं? मोदी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में आर्थिक आधार पर दस फीसदी आरक्षण लागू करके पहल की है, जिसे सुप्रीमकोर्ट ने भी जायज ठहरा दिया है। मोदी और अमित शाह के स्पष्टीकरणों के बावजूद जमीन पर भाजपा के कार्यकर्ताओं को इन सवालों का सामना करना पड़ रहा है। जिसका भाजपा को हिन्दी बेल्ट में थोड़ा नुकसान हो सकता है।

हालांकि मोदी या भाजपा का आरक्षण का स्वरूप बदलने का कोई इरादा नहीं है। उनका लक्ष्य ऊंचा है, जिसके लिए उन्हें 400 नहीं बल्कि 406 सीटें चाहिए। दो बिल बन कर तैयार रखे हुए हैं, लेकिन उनके लिए दो तिहाई सीटें चाहिए। वैसे लोकसभा में 362 सीटों के साथ दो तिहाई बहुमत बन जाता है। इसीलिए मोदी ने भाजपा के लिए 370 का टार्गेट रखा है।

वैसे मोदी को इतना समर्थन तो सत्रहवीं लोकसभा में भी हासिल था। जिसका जिक्र उन्होंने एक इंटरव्यू में किया भी है। एनडीए के 353 सदस्यों के अलावा उन्हें लगभग हर बिल पर बीजू जनता दल के 12 और वाईएसआर कांग्रेस के 22 सदस्यों का समर्थन मिल रहा था। सवाल पैदा होता है कि फिर उन्होंने वे दो बिल पास क्यों नहीं करवाए, और वे दो बिल हैं कौन से?

पहला बिल है जनसंख्या नियन्त्रण का, और दूसरा बिल है समान नागरिक संहिता का। ये दोनों ही संविधान संशोधन बिल हैं। इन दोनों बिलों पर विपक्ष का तो कड़ा विरोध सर्वविदित है, क्योंकि दोनों बिलों का मुसलमान विरोध करते हैं। इन दोनों बिलों के खिलाफ मौलवियों के फतवे भी जारी हो चुके हैं। बीजू जनता दल और वाईएसआर कांग्रेस से समर्थन मिलता या नहीं मिलता, यह तो अलग बात है। खुद एनडीए में भी बिलों पर सहमति नहीं थी। जेडीयू इन दोनों ही बिलों पर समर्थन नहीं करता। जेडीयू के 16 सांसदों के छोड़कर जाने के बाद तो एनडीए की संख्या ही 337 रह गई थी।

फिर राज्यसभा से पास करवाना तो बिलकुल असंभव था। राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत के लिए 164 सांसद चाहिए थे। आज की तारीख में राज्यसभा में भाजपा के खुद के सांसदों की संख्या 97 और एनडीए के सांसदों की संख्या 120 है। इसलिए मोदी सरकार ने ये दोनों बिल भविष्य के लिए छोड़ दिए थे।

नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस का जवाब देते हुए भाजपा के लिए 370 और एनडीए के लिए 400 पार का लक्ष्य घोषित किया था।

अब अगर लोकसभा में एनडीए को 406 सीटें मिल जाती हैं, तो यह दो तिहाई से 44 सीटें ज्यादा होंगी। जो राज्यसभा में दो तिहाई की कमी पूरी करेंगी। विपक्ष के कड़े विरोध के चलते बिल क्योंकि राज्यसभा में पास नहीं होंगे, इसलिए मोदी सरकार दोनों सदनों की संयुक्त बैठक बुला कर बिल पास करवा सकती है।

वैसे इन दोनों बिलों पर अगर एनडीए का एक भी घटक दल एतराज करता है, तो इंडी एलायंस में भी फूट पड़ने की प्रबल संभावना बनेगी। जैसे उद्धव ठाकरे इन दोनों बिलों का समर्थन कर सकते हैं। भले ही चुनावों में वह मुस्लिम लीग का झंडा उठाए घूम रहे हैं। उनके भाषणों से हिन्दू शब्द गायब है। लेकिन 2020 में शिवसेना के सांसद अनिल देसाई ने एक प्राईवेट मेंबर संविधान संशोधन बिल पेश किया था। वह अनिल देसाई अभी भी उद्धव ठाकरे के साथ ही हैं। उन्होंने अपने बिल में संविधान के अनुच्छेद 47 ए में संशोधन का प्रस्ताव किया था।

2020 में राज्यसभा में पेश किए गए शिवसेना सांसद के संविधान संशोधन बिल में कहा गया था कि जो परिवार सिर्फ दो बच्चे पैदा करेगा, उन्हें टेक्स, रोजगार और शिक्षा में रियायतें मिलेंगी, लेकिन जो परिवार दो बच्चों की पॉलिसी का पालन नहीं करेगा, उन्हें किसी तरह की कोई सरकारी सुविधा नहीं मिलेगी। इससे पहले 2019 के अपने बिल में भाजपा के राकेश सिन्हा ने जो जनसंख्या नियन्त्रण का प्राईवेट मेम्बर बिल पेश किया था, उसमें तो दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करना और सरकारी नौकरियों के लिए अयोग्य ठहराने का प्रावधान था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल में इन दोनों ही मुद्दों पर गौर करना शुरू कर दिया था। ट्रायल के तौर पर उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू कर दी गई है। अमित शाह ने एक इंटरव्यू में कहा है कि समान नागरिक संहिता सारे देश में लागू होगी और यह इस बार भी भाजपा के चुनाव घोषणा पत्र में है। इसी तरह मोदी सरकार ने जनसंख्या नियन्त्रण के लिए एक कमेटी का गठन कर दिया है, जो बिल का प्रारूप लगभग तैयार कर चुकी है।

इस चुनाव में विपक्ष की तरफ से जो दो मुद्दे काफी प्रभावी ढंग से उठाए गए हैं, वे है महंगाई और बेरोजगारी। इन दोनों समस्याओं का मूल है जनसंख्या वृद्धि। उतना अनाज नहीं, जितनी जरूरत है, इसलिए महंगाई बढती जा रही है। उतने रोजगार नहीं है, जितनी आबादी बढती जा रहा है, तो इसका निदान भी है जनसंख्या नियन्त्रण।

भारत में हर रोज 86 हजार बच्चे पैदा हो रहे हैं। अब चीन नहीं भारत की आबादी दुनिया में सबसे ज्यादा है, 2022-23 में भारत की आबादी 1,428, 627, 663 पहुंच गई है, जबकि चीन की आबादी 1,425,671,352 है। भारत के पास 3,287,263 वर्ग किलोमीटर जमीन है, जो विश्व का सिर्फ 2.4 प्रतिशत भूभाग है, लेकिन भारत की जनसंख्या विश्व की जनसंख्या का 17 प्रतिशत से ज्यादा है। चीन के पास भारत से लगभग तीन गुना 9,598,094 वर्ग किलोमीटर जमीन है, लेकिन आबादी अब हम से कम हो गई है।

पिछले दिनों जब जनसंख्या क़ानून की बात उठी थी, तो उसका यह कह कर विरोध किया गया था कि स्वास्थ्य विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत की जनसंख्या पर नियन्त्रण हो चुका है, इसलिए किसी क़ानून की जरूरत नहीं है। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि प्रति महिला बच्चों की औसत संख्या 2.2 से घट कर 2.0 हो गई है। लेकिन बिहार में यह 2.98, मेघालय में 2.91, उत्तर प्रदेश में 2.35 और झारखंड में 2.26 है।

भारत की सबसे बड़ी चिंता धार्मिक आधार पर जनसंख्या असंतुलन है, जिसे पूरे देश में सभी धर्मों को मानने वालों पर एक समान लागू औरकरने से नियंत्रित किया जा सकता है। इसलिए घोषित न होने के बावजूद जनसंख्या नियन्त्रण क़ानून भाजपा के एजेंडे पर है। राम जन्मभूमि मन्दिर 370 के बाद समान नागरिक संहिता तो भाजपा के एजेंडे पर शुरू से ही रहा है, जनसंख्या नियन्त्रण का मुद्दा भी भाजपा के चुनाव घोषणा पत्र में उठता रहा है।

हालांकि इस बार भाजपा ने जानबूझ कर परहेज किया, क्योंकि नरेंद्र मोदी मुसलमानों को साथ लेकर चलने और उनका वोट हासिल करने की उम्मीद पाले हुए थे। हालांकि पहले और दूसरे दौर की वोटिंग के बाद उनका भ्रम दूर हो गया तो उन्होंने कांग्रेस और अन्य दलों पर खुल कर मुस्लिम परस्ती के आरोप लगाने शुरू कर दिए।

बाबरी और संविधान पर अटके पक्ष-विपक्ष...

शाहरुख खान

अवध की धरती शुक्रवार को राजनीतिक जंग का गवाह बनी। अमित शाह ने चेताया कि विपक्षी गठबंधन सत्ता में आया तो राममंदिर में बाबरी ताला जड़वा देगा। वहीं, राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने संविधान की रक्षा के लिए वोट का बुल्डोजर चलाने का आह्वान किया। खटाखट-गटागट के जरिये चुटीले शब्द-बाण भी चलाए। पक्ष-विपक्ष ने तुकबंदी के सहारे अपने-अपने वादे जन-जन के दिमाग में बैठाने का प्रयास किया। अर्थव्यवस्था का गणित भी समझाया और एक-दूसरे पर जमकर निशाने भी साधे। पांचवे चरण के चुनाव प्रचार के आखिरी वक्त में रायबरेली और अमेठी में सत्ता के लिए जंग अपने पूरे उरूज पर पहुंच गई है। अमेठी-राबरेली संसदीय क्षेत्र की सीमा पर दौलतपुर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने करीब 10 मिनट के भाषण में तीन नारों पर फोकस किया मोदी पीएम...400 पार...जय श्रीराम। स्थानीय देव स्थानों के नाम का जिक्र करते हुए रणनीतिक संदेश दिया। पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक की हुंकार भरी। राष्ट्रवादी भावनाओं को उभारते हुए फिर दोहराया कि मोदी का सीना 56 इंच का है। पाक अधिकृत कश्मीर भी लेकर रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चुनाव बाद पंजे और साइकिल वाले नेताओं के खटाखट-खटाखट विदेश भागने वाला बयान इंडिया गठबंधन के नेताओं के निशाने पर रहा है। उससे पहले राहुल गांधी कह चुके थे कि इंडिया की सरकार बनने पर गरीब महिलाओं के खातों में एक-एक लाख रुपये टकाटक-टकाटक जाएंगे। राहुल ने मोदी के खटाखट-खटाखट वाले बयान पर कहा कि मोदी से क्या बुलवाना है, मुझे बता दो। बुलवाकर दिखा दूंगा। अपने वादे से एक कदम आगे बढ़ते हुए राहुल ने कहा कि बेरोजगार युवाओं के खातों में पहले एक साल 8500 रुपये प्रति माह टकाटक भेजने का एलान किया। समझाया भी कि इससे बाजार में मांग बढ़ेगी और बंद फैक्ट्रियां चालू होंगी। रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। खटाखट के जवाब में उन्होंने खूब टकाटक का इस्तेमाल किया। राहुल ने संविधान, आरक्षण और अग्निवीर योजना पर फिर फोकस किया। मल्लिकार्जुन खरगे के मुफ्त राशन दोगुना करने की घोषणा से एकदम आगे बढ़ते हुए कहा कि सत्ता मिलने पर दाल और तेल भी देंगे। संदेश दिया कि मुफ्त उपहार देने में हम भी पीछे नहीं रहेंगे। भाजपा विरोधी खास तबके को यह कहकर आकर्षित करने का काम भी किया कि मैं (राहुल) मोदी से नहीं डरता। अखिलेश यादव ने भी दो नंबरी नेता कहकर बिना नाम लिए अमित शाह पर निशाना साधा। कहा कि खटाखट-खटाखट की नकल करने वाले नेता भ्रष्टाचार की रकम डकार गए। 69 हजार शिक्षक भर्ती जैसे आरक्षण के घोटालों को रोकने के लिए क्या करना है, यह भी मतदाताओं से पूछा। फिर कहा कि मतदान के दिन घबराने की जरूरत नहीं। नारे दिए-चौथे चरण में भाजपा चारो खाने चित्त...सातवें चरण में भाजपा के खिलाफ गुस्सा सातवें आसमान पर।

स्वाति मालीवाल केस ने बढ़ाई केजरीवाल की मुश्किलें

अंकित सिंह

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई बदसलूकी का मामला अब पूरी तरीके से सियासी उबाल ले चुका है। मामला थाने में पहुंच गया है। दिल्ली पुलिस इसकी जांच भी कर रही है। लेकिन सियासी वार-पलटवार का दौर जबरदस्त तरीके से जारी है। भाजपा जहां अरविंद केजरीवाल और उनके बेहद करीबी विभव कुमार पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। तो वहीं दूसरी ओर आम आदमी पार्टी इसे भाजपा की साजिश बता रही है। दिलचस्प यह भी है कि पहले आम आदमी पार्टी ने स्वीकार किया था कि विभव कुमार ने स्वाति मालीवाल के साथ बदसलूकी की है। लेकिन दो दिन बाद आप ने साफ तौर पर कहा कि अरविंद केजरीवाल और विभव कुमार को बदनाम करने के लिए स्वाति मालीवाल के साथ मिलकर भाजपा ने एक साजिश रची है। इसी को लेकर लगातार वार-पलटवार का दौर जारी है।

भाजपा इसे अरविंद केजरीवाल नाटक बता रही है। भाजपा साफ तौर पर कह रही है कि महिलाओं की हितैषी बनने वाले केजरीवाल अपने घर पर ही एक महिला संसद को पिटवा देते हैं। बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल अपने आवास पर एक महिला के साथ दुर्व्यवहार करने वाले व्यक्ति को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। विभव कुमार के खिलाफ अरविंद केजरीवाल कुछ क्यों नहीं बोल रहे हैं? वह उसे बचाने की कोशिश क्यों कर रहा है? उसने एक महिला के साथ गलत व्यवहार किया है? उन्होंने सीसीटीवी फुटेज भी नष्ट कर दिया है, क्यों? इतनी बड़ी साजिश की गई है। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि विभव कुमार की गिरफ्तारी सीएम अरविंद केजरीवाल के आवास के अंदर से की गई है, जिससे दिल्ली के लोगों को यह संदेश जाता है कि सीएम केजरीवाल का आवास गुंडों के लिए सुरक्षित ठिकाना बन गया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल राजनीतिक नाटक कर रहे हैं, मालीवाल मामले में चुप्पी क्यों साध रखी है?

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजधानी पुलिस ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार को उसी समय गिरफ्तार किया, जब अदालत में उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हो रही थी। आतिशी ने शनिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल अवैध भर्ती मामले में गिरफ्तारी का सामना कर रही हैं और उन्हें भारतीय जनता पार्टी ने 'ब्लैकमेल' कर मुख्यमंत्री केजरीवाल के खिलाफ साजिश का हिस्सा बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस 'भाजपा का हथियार' है और राष्ट्रीय राजधानी में लोकसभा चुनाव से पहले केजरीवाल को निशाना बना रही है। आतिशी ने कहा, ''वह अंदर क्यों गईं? वह मुलाकात का समय लिये बिना मुख्यमंत्री के आवास पर क्यों पहुंचीं? उस दिन अरविंद केजरीवाल व्यस्त थे और उनसे नहीं मिले। अगर वह उस दिन उनसे मिले होते, तो बिभव कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोप उनके (केजरीवाल के) खिलाफ लगाए जा सकते थे।''

पूर्व वीडियो पत्रकार बिभव कुमार पहली बार 2000 के दशक की शुरुआत में आप नेता अरविंद केजरीवाल से जुड़े थे। जब वह इंडिया अगेंस्ट करप्शन के सदस्यों द्वारा शुरू की गई एक पत्रिका के लिए वीडियो संपादक के रूप में काम कर रहे थे। वह तब से केजरीवाल के साथ बने हुए हैं, उनके रोजमर्रा के कामों में उनकी मदद कर रहे हैं और दिल्ली सीएम के सर्कल में सबसे विश्वसनीय लोगों में से एक बन गए हैं। दावा है कि कुमार ने सीएम के साउंडिंग बोर्ड के रूप में भी काम किया। हाल ही में वह तब सुर्खियों में आए, जब उन्हें दिल्ली सतर्कता विभाग द्वारा दिल्ली के सीएम केजरीवाल के निजी सचिव के रूप में नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया, जिसमें उनकी अवैध नियुक्ति का हवाला दिया गया था। एक अदालत ने स्वाति मालीवाल के साथ कथित मारपीट मामले में केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार की पांच दिन की पुलिस हिरासत को मंजूरी देते हुए कहा कि आरोपी को पुलिस हिरासत में भेजा जाना ''आवश्यक'' है।

स्वाति मालीवाल ने कह रही है कि उनकी पार्टी के सहयोगियों ने कभी निर्भया के लिए न्याय मांगा था लेकिन आज वे एक ऐसे व्यक्ति का समर्थन कर रहे हैं जिसने उनके साथ साथ मारपीट की है। उन्होंने कहा कि अगर आप नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया आज यहां होते तो ''शायद मेरे लिए चीजें इतनी बुरी नहीं होतीं।'' जाहिर सी बात है कि चुनावी मौसम है और स्वाति मालीवाल द्वारा किए गए दावे आम आदमी पार्टी को नुकसान पहुंचा सकता है। शायद यही कारण है कि आम आदमी पार्टी पूरे मामले को लेकर फूंक-फूंक कर कदम रखने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर भाजपा जबरदस्त तरीके से आम आदमी पार्टी पर हमलावर है। भाजपा की कोशिश है कि इसे आम आदमी पार्टी के महिला विरोधी सोच के तौर पर पेश किया जाए ताकि चुनाव में आधी आबादी का समर्थन उसे मिल सके।

यादगार होगी स्मृति ईरानी की जीत!

शिव शरण त्रिपाठी

कभी कांग्रेस की खानदानी सीट मानी जाने वाली अमेठी से 2019 में पहले भाजपा की स्मृति ईरानी से चुनाव हारना और अब 2024 में राहुल गांधी का पलायन करना निस्संदेह यह बताने को काफी है कि राहुल गांधी स्मृति ईरानी से टक्कर लेने का साहस नहीं दिखा सके। अलवक्त्ता कांग्रेस ने राहुल गांधी की बजाय अर्से तक गांधी परिवार के अमेठी, रायबरेली में चुनाव प्रबन्धक एवं वफादार सिपहसालार रहे किशोरी लाल शर्मा को चुनाव मैदान में उतारकर प्रत्यक्षऱ् यह जताने की कोशिश की हैं कि गांधी परिवार अमेठी से अपने पुराने रिश्ते को बरकरार रखना चाहता है।

कांग्रेस के रणनीतिकारों को उम्मीद थी कि चूंकि राहुल गांधी पड़ोस की गांधी परिवार की खानदानी सीट रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं सो किशोरी लाल शर्मा को इसका लाभ मिलना तय है। यही नहीं चूंकि उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन के तहत रायबरेली व अमेठी सीट कांग्रेस के खाते में गई अतएवं दोनो ही सीटों पर गठबंधन की प्रमुख भागीदार सपा के वोटों का लाभ मिलना तय है। कांग्रेस के रणनीतिकार भले ही अपनी रणनीति से संतुष्ट हो। भले ही गांधी परिवार अपनी साख बचाने की कोई भी दलील दे पर सच्चाई यही है कि राहुल गांधी ने अमेठी सीट से चुनाव लड़ना कतई उचित नहीं समझा। उन्हें परिवार की 2019 में अपनी हारी खानदानी सीट अमेठी से मम्मी श्रीमती सोनिया गांधी की जीती रायबरेली कहीं ज्यादा सुरक्षित लगी।

जहां तक अमेठी सीट पर स्मृति ईरानी के मुकाबले में किशोरी लाल शर्मा को मैदान में उतारने की बात है तो उनके उतारने से अमेठी में न तो कोई उत्साह की लहर है न तो उन्हे अमेठी हाथोहाथ लेने को तैयार है। समर्पित कांग्रेसजनों और पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं के अलावा न तो कोई बड़ा कांग्रेसी नेता उनके पक्ष में दिखाई दे रहा है और न ही उन्हे गांधी परिवार से कोई विशेष तरजीह दी जा रही है। यदि ऐसा न होता तो श्री शर्मा के नामांकन के मौके पर प्रियंका गांधी अवश्य मौजूद रहती। जबकि वह पड़ोस में यानी रायबरेली में अपने भाई राहुल के नामांकन के अवसर पर जोश-ओ-खरोश के साथ उपस्थित थी। यह मान लिया जाये कि भाई के नाते प्रियंका की प्राथमिकता राहुल गांधी थे तो भी प्रियका के रॉबर्ट वाड्रा तो उपस्थित रह ही सकते थे।

जहां तक इंडिया गठबंधन के प्रमुख दल सपा व अन्य के कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन मिलने का सवाल है, हालात बता रहे हैं कि सपा समर्थक खासकर यादव समाज के लोगों का रूझान कांग्रेस प्रत्याशी की तुलना में भाजपा प्रत्याशी की ओर कहीं ज्यादा है।

जिस तरह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, स्मृति ईरानी के जुलूस से लेकर नामांकन पत्र दाखिल करने के मौके पर उपस्थित रहे और उन्होने पड़ोस के सुल्तानपुर में अपनी सुसराल बताकर अपने को यहां का दामाद बताकर अपना हक जताया। उससे भी यादव विरादरी का अधिकाधिक वोट श्रीमती ईरानी को मिलना ही मिलना है। यहां यह भी कम गौरतलब नहीं है कि अमेठी के जिन दो सीटों पर सपा विधायकों का कब्जा है उनमें से एक गौरीगंज के सपा विधायक सपा से लगभग प्रत्यक्ष भी न भी सही अप्रत्यक्ष रूप से नाता तोड़ चुके हैं। उनका पूरा परिवार हाल ही में भाजपा में शामिल हो चुका है।

ज्ञात रहे सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह गौरीगंज सीट से लगातार तीन बार चुनाव जीतकर एक रिकार्ड बना चुके हैं। उनका इस सीट के मतदाताओं पर काफी अच्छा प्रभाव माना जाता है। ऐसे में उनके समर्थकों का अधिकाधिक वोट कांग्रेस के श्री शर्मा की बजाय भाजपा की श्रीमती ईरानी को मिलना तय माना जा रहा है।

सपा की दूसरी विधान सभा सीट अमेठी पर भी ऐसा ही नजारा दिखने को मिल रहा है। यहां से सपा विधायिका महाराजी देवी का बेटा और बेटी सहित पूरा कुनबा ही श्रीमती ईरानी के पक्ष में चुनाव प्रचार करने में जुटा हुआ है। ज्ञातव्य है महाराजी देवी के पति गायत्री प्रजापति भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते एक अर्से से जेल में बंद है और उन्हे लगता है कि भाजपा की शरण में जाने से उनके पति व परिवार को राहत मिल सकती है।

महाराजी देवी प्रजापति ओबीसी से आती हैं और उनकी बिरादरी कुम्हारों के अलावा उनके खास समर्थक मानी जाने वाली जातियों मौर्य, नाई आदि का भी भरपूर समर्थन भाजपा प्रत्याशियों को मिलना तय माना जा रहा है।

जानकार सूत्रों का कहना है कि यहां पर यह भी कम काबिलेगौर नहीं है कि जब 2019 में कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी को सपा-बसपा गठबंधन का पूरा समर्थन प्राप्त था तब भी भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी को ओबीसी के 70 फीसदी मतदाताओं का समर्थन हासिल हुआ था और कुर्मी तथा कौरी जाति का तो 80 फ ीसदी से अधिक समर्थन मिला था।

भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में एक और महत्वपूर्ण बात यह बतायी जा रही है और वो है बसपा का सपा से अलग होकर स्वतंत्र चुनाव लड़ना। समझा जा रहा है कि ओबीसी जाति के रवि प्रकाश मौर्य भाजपा व कांग्रेस दोनों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हालांकि यह तथ्य भी सामने आ रहा है कि बसपा के चलते मुस्लिम व दलित वोटों में बंटवारा तय है। जिसका खामियाजा कांग्रेस को ही भुगतना पड़ेगा। राम मंदिर बनने के बाद से दलित परिवारों का ज्यादा से ज्यादा समर्थन भाजपा को मिलना सुनिश्चित है। जहां तक मुस्लिम मतों का सवाल है कुछ हद तक मुस्लिम महिलाओं का वोट भी भाजपा प्रत्याशी के खाते में जा सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्मृति ईरानी के समर्थन में अब तक दो-दो बार रैलिया करने से उदासीन मतदाताओं में जोश देखने को मिल रहा है। उपरोक्त तमाम तथ्यों, हालातों के अलावा स्मृति ईरानी का अमेठी के लोगों के बीच रहकर उनके सुख दुख में शामिल होना और क्षेत्र के उतरोत्तर विकास के लिये हर संभव प्रयास करना उनकी जीत को और पुख्ता बनाता है। अब तो यहां तक दावे किये जाने लगे हैं कि इस बार भाजपा प्रत्याशी स्मृति कम से कम दो लाख वोटों से कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा को पराजित करने में सफल होगी।

प्रयागराज की जनता क्या बदलने वाली है राज?

नीरज कुमार दुबे

उत्तर प्रदेश का प्रयागराज क्षेत्र गंगा यमुना और सरस्वती का संगम स्थल है। प्रत्येक 12 वर्ष के अंतराल पर लगने वाले कुंभ मेले की आयोजन स्थली प्रयागराज ने देश को पंडित जवाहर लाल नेहरु, लाल बहादुर शास्त्री, हेमवंती नंदन बहुगुणा, जनेश्वर मिश्र और मुरली मनोहर जोशी जैसे राजनीतिज्ञ और अमिताभ बच्चन जैसा फिल्मी सुपर स्टार दिया है। इलाहाबाद के नाम से मशहूर इस क्षेत्र का नाम बदल कर उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रयागराज कर दिया था। चूंकि इस क्षेत्र को पौराणिक काल में प्रयागराज ही कहा जाता था इसलिए योगी सरकार ने पुराना नाम बहाल कर दिया और इस क्षेत्र का पुराना सांस्कृतिक गौरव बहाल करने की दिशा में तमाम कदम उठाए जिससे इस क्षेत्र की सूरत बदलने लगी है। अगले साल होने वाले महाकुंभ के आयोजन से जुड़ी तैयारियों के चलते इस समय पूरे प्रयागराज में जहां तहां निर्माण कार्य चल रहे हैं जिसके चलते कुछ जगह नाराजगी भी दिखी क्योंकि जिनके अवैध निर्माण तोड़े गए हैं उनकी नजर में सरकार गलत काम कर रही है। कुछ समय पहले तक प्रयागराज में माफियाओं का आतंक हुआ करता था लेकिन अब पूरी तरह कानून का राज है जिसके चलते जनता निर्भीक होकर अपना जीवन जी पा रही है। लेकिन महंगाई और बेरोजगारी ऐसी बड़ी समस्याएं हैं जिसके चलते लोग सरकार से बेहद नाराज हैं और इस बार बदलाव करके देखना चाहते हैं। हम आपको बता दें कि प्रयागराज में पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे भाजपा उम्मीदवार नीरज त्रिपाठी पूर्व राज्यपाल और पूर्व विधान सभा अध्यक्ष स्व. केशरी नाथ त्रिपाठी के बेटे हैं। उनका मुकाबला सपा के सांसद रहे रेवती रमण सिंह के बेटे उज्ज्वल रमन से है। बसपा यहां चुनावी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने का प्रयास कर रही है। ब्राह्मण बहुल इस क्षेत्र में नीरज त्रिपाठी को अपने पिता के नाम से पहचान, मोदी सरकार के कामकाज की बदौलत जनता का प्यार तो मिल ही रहा है साथ ही राम मंदिर और हिंदुत्व जैसे मुद्दे भी उनके पक्ष में माहौल बना रहे हैं। हालांकि पेपर लीक की घटनाओं के चलते युवाओं और महंगाई से परेशान लोगों की नाराजगी तथा बढ़ती बेरोजगारी जैसे मुद्दों से नीरज त्रिपाठी को जूझना भी पड़ रहा है। मीडिया ने अपनी चुनाव यात्रा के दौरान पाया कि यहां गंगा पार और यमुना पार की जनता के लिए अलग अलग मुद्दे हैं। नैनी औद्योगिक क्षेत्र में कई उद्योग बंद हो चुके हैं। जनता का कहना है कि इसके पीछे सरकारी उदासीनता भी एक कारण है। लोगों ने कहा कि सरकार निवेश आमंत्रित करने के लिए करोड़ों रुपए खर्च करके अपने मंत्रियों को विदेशों में भेज रही है लेकिन स्थानीय उद्योगपतियों को सहूलियतें नहीं दे रही है। वैसे लगातार दो बार से भाजपा यहां जीत हासिल कर रही है लेकिन इस बार उसके पक्ष में लहर जैसी स्थिति देखने को नहीं मिली। लोग सरकार से जगह जगह सवाल कर रहे हैं। हर साल दो करोड़ नौकरी देने के वादे की याद दिला रहे हैं। महिलाएं सुरक्षित तो महसूस कर रही हैं लेकिन उनके किचन का बजट बिगड़ने से वह परेशान हैं। दूसरी ओर उज्ज्वल रमन पूरा जोर ग्रामीण इलाकों पर लगाए हुए हैं। उनका मानना है कि विधायक रहते हुए उन्होंने जिस तरह विकास कार्य करवाए उससे जनता प्रभावित है। प्रभासाक्षी से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनके पिता और पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह की ओर से किए गए कामों का लाभ भी उनको मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ग्रामीण क्षेत्रों से मुंह मोड़ चुकी है इसलिए जनता इस बार मोदी योगी की जोड़ी को सबक सिखाने के लिए तैयार है। हम आपको बता दें कि कांग्रेस ने यह सीट गठबंधन के तहत समाजवादी पार्टी से ली है। हालांकि यहां कांग्रेस से ज्यादा समाजवादी पार्टी मजबूत है लेकिन फिर भी राहुल गांधी ने अखिलेश यादव से कह कर अपनी पार्टी के लिए यह सीट ली ताकि वह कांग्रेस को यहां मजबूत कर सकें। वैसे देखा जाए तो गठबंधन के तहत भले यह सीट चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस को मिली हो परंतु उम्मीदवार सपा का ही है। कांग्रेस उम्मीदवार उज्ज्वल रमन सपा नेता रेवती रमण सिंह के बेटे हैं और हाल ही में सपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे ताकि पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ सकें।

आप भी रोजाना सुबह चाय या दूध के साथ खाते हैं ब्रेड

तो हो जाएं सावधान, शरीर को हो सकते हैं ये नुकसान

अधिकतर लोगों की आदत होती है, वह रोजाना चाय के साथ ब्रेड का नाश्ता करते हैं. लेकिन रोजाना ब्रेड खाने से स्वास्थ्य संबंधित कई समस्याएं हो सकती है. रोजाना ब्रेड खाने से सेहत को कई प्रकार के नुकसान हो सकते हैं. अधिकतर लोगों की आदत होती है, वह नाश्ते में रोजाना चाय या दूध के साथ ब्रेड खाते हैं. लेकिन रोजाना ब्रेड खाना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है.

अगर आप रोजाना ब्रेड खाते हैं, तो इससे पेट फूलना, गैस, अपच और कब्ज जैसी समस्या होने लगती है. ब्रेड खाने से ब्लड शुगर का स्तर तेजी से बढ़ सकता है और फिर गिर भी सकता है, जिससे आपको हमेशा थकान महसूस होगी. रोजाना ब्रेड खाने से आपका वजन तेजी से बढ़ सकता है, क्योंकि ब्रेड और दूध में कैलोरी की मात्रा अधिक होती है. अगर आप स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो काम चीनी वाला दूध पिए और साबुत अनाज की ब्रेड खाना शुरू करें.

बाजार में मिलने वाली ज्यादातर ब्रेड मैदा से बनी होती हैं, साथ ही इनमें हानिकारक केमिकल और प्रिजर्विटिव्स डाले जाते हैं। इन्हें पचाना काफी मुश्किल होता है, जिससे यह न सिर्फ पेट संबंधी समस्याओं को जन्म देती हैं बल्कि वजन बढ़ाने में भी योगदान देती हैं।

डायबिटीज रोगियों के लिए चाय और ब्रेड का सेवन बहुत नुकसानदायक साबित हो सकता है। यह उनके ब्लड शुगर में स्पाइक का कारण बन सकता है और उनकी स्थिति को अधिक गंभीर बना सकता है। साथ ही यह इंसुलिन सेंसिटिविटी को भी ट्रिगर करता है, जिससे डायबिटीज रोगियों की स्थिति खराब हो सकती है।

यह ब्लड प्रेशर रोगियों में बीपी के स्तर को अधिक बढ़ा सकता है। इसलिए ब्लड प्रेशर रोगियों को भूलकर भी सुबह चाय के साथ ब्रेड नहीं खानी चाहिए। इसके सेवन से ब्लड प्रेशर कंट्रोल से बाहर हो सकता है।

शरीर का अधिक वजन, डायबिटीज, हाई बीपी सभी हृदय रोगों के जोखिम कारक हैं। साथ ही यह कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में भी योगदान देता है। इस तरह यह न सिर्फ हार्ट अटैक और स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाता है, बल्कि लंबे समय में हार्ट फैलियर जैसी समस्याओं का कारण भी बन सकता है।

गर्मियों में खाएं ये फल, पेट और दिमाग दोनों रहेगा ठंडा

इस साल की शुरुआत से ही गर्मी का पारा चढ़ गया था. दोपहर के धूप ने इस महीने से ही लोगों को घर में रहने के लिए मजबूर कर दिया है. लेकिन कुछ लोगों को गर्मियों में काम के लिए बाहर निकलना पड़ता है. ऐसे में अपना खास ख्याल रखना काफी जरूरी है जिसके लिए अपने खानपान को बेहतर रखना. गर्मी के समय में कई मौसमी फल आते हैं, जो आप को गर्मी से बचा सकते हैं. ऐसे मौसम में हमे उन फलों को खाना चाहिए जो पल पानी से भरपूर हो.

गर्मियों में ताजगी और सुगंधित फलों का सेवन करना शानदार रहता है. ये फल आपको ठंडक प्रदान करते हैं और आपको गर्मियों के दौरान ठंडा और ताजगी देते हैं. यहाँ कुछ ऐसे फल हैं जो आप गर्मियों में खा सकते हैं. ये फल आपको गर्मियों के मौसम में ठंडक प्रदान करते हैं और स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होते हैं. गर्मियों में तरबूज, आम,और लीची ये फल गर्मियों के मौसम में बाजार में बिकने लगते हैं और इन फलों में पानी की भरपूर मात्रा में पाया जाता है. इसलिए गर्मी में तरबूज का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है. इन फलों में पोटेशियम भी पाया जाता है जो शरीर के लिए लाभदायक है.

खीरा: खीरा में गर्मियों के मौसम के लिए हीरा माना जाता है क्योंकि इसमें पानी की मात्रा अधिक होता है. पानी अधिक होने के साथ-साथ इसमें कैलोरी की मात्रा भी बहुत कम होता है.जो शरीर के तापमान को संतुलित रखने में काफी मदद करता है.

पुदीना- पुदीना गर्मियों के मौसम में आपको तरोताजा महसूस करने में काफी मददगार होता है.इस मौसम में पाचन के लिए पुदीना का कोई तोड़ नहीं हैं. हालांकि पुदीना गर्मी के मौसम में आपके लिए वरदान साबित हो सकता है.

दही- दही एक ठंडा खाद्य पदार्थ है जो आपको गर्मी से बचने के लिए काफी अच्छा साबित हो सकता है.ये इम्यूनिटी,पाचन और हेल्थ के साथ कई अन्य फायदे के लिए जाना जाता है. इसके सेवन गर्मियों में सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है.

नारियल पानी- नारियल पानी में पोटेशियम,मैग्नीशियम और सोडियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट पाये जाते हैं. यह शरीर को हाइड्रेट रखने में काफी मदद करते है.इसलिए नारियल पानी को गर्मियों के मौसम में शरीर के लिए फायदेमंद माना जाता है.

स्किन की सेहत दमदार रखने के लिए कौन ज्यादा कारगर? बोटॉक्स या डर्मल

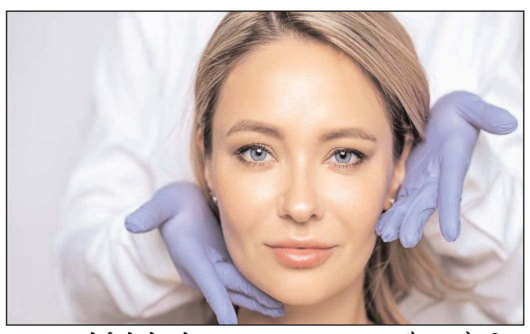

हर कोई चेहरे को खूबसूरत बनाना चाहता है. इसके लिए लोग कई प्रयास भी करते हैं, लेकिन फिर भी उन्हें असर नहीं होता है. अगर आप भी सॉफ्ट और बेदाग त्वचा पाना चाहते हैं तो यह खबर आपके लिए है. पिछले कुछ सालों से बोटॉक्स और डर्मल फिलर्स दोनों का चलन काफी बढ़ गया है. कई लड़कियां जमा दिखाने के लिए इन ब्यूटी ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करती है. बोटॉक्स और डर्मल फिलर्स दोनों ही त्वचा की सेहत को दमदार बनाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हैं. लेकिन इसमें कुछ अंतर है.

बोटॉक्स और डर्मल फिलर्स का उपयोग

बोटॉक्स एक न्यूरोटॉक्सिन है, जो फेस की मांसपेशियों की गतिविधि को कम करता है. इससे झुर्रियां कम दिखाई देती हैं. वहीं डर्मल फिलर्स ये इंजेक्टेबल पदार्थ होते हैं, जो त्वचा में खोए हुए आयतन को भरकर, झुर्रियों और रेखाओं को कम करता है. बोटॉक्स का उपयोग माथे की रेखा, नाक के चारों ओर बनी रेखा, डिंपल थोड़ी और गर्दन के बैंड पर किया जाता है. वहीं डर्मल फिलर्स का उपयोग होठों और गालों को बढ़ाने, नाक को नया आकार देने और घावों में सुधार करने के लिए किया जाता है.

बोटॉक्स और डर्मल फिलर्स बजट

बात करें इसके बजट की, तो बोटॉक्स, डर्मल फिलर्स की तुलना में प्रति यूनिट थोड़ा काम खर्चीला होता है, लेकिन डर्मल फिलर्स उपचार और उपयोग के लिए बोटॉक्स से थोड़ा ज्यादा महंगा होता है. बोटॉक्स 3 से 6 महीने तक रहता है, तो डर्मल फिलर्स 6 महीने से 2 साल तक रह सकते हैं. वैसे तो बोटॉक्स सुरक्षित माना जाता है लेकिन कुछ लोगों को इससे साइड इफेक्ट हो सकते हैं. जैसे सूजन, सिर दर्द, पिंपल्स, लालिमा आदि. वही डर्मल फिलर्स भी समान सुरक्षित होते हैं, लेकिन कुछ लोगों की त्वचा पर यह सूट नहीं हो पता है, जिससे उन्हें एलर्जी हो सकती है. अगर आप झुर्रियों को कम करना चाहते हैं, तो आपके लिए बोटॉक्स बेस्ट ऑप्शन रहेगा. लेकिन आप खोई हुई मात्रा को भरना चाहते हैं, या गहरी करना चाहते हैं, तो आपके लिए डर्मल फिलर्स सही रहेगा. ध्यान रहे कुछ लोगों को इससे एलर्जी हो सकती है अगर ऐसा होता है तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें.

चुभती-जलती घमौरियों से राहत पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू उपाय, झट से मिलेगा आराम

गर्मियों का मौसम आते ही लोगों को तमाम तरह की समस्याएं होने लगती हैं। इस मौसम में घमौरियों की समस्या बढ़ जाती है। इसको प्रिकली हीट और हीट रैश भी कहा जाता है। यह पसीने की ग्रन्थियों के पोर्स बंद होने की वजह से हो जाती है। इसके होने पर शरीर में छोटे-छोटे लाल दाने निकल आते हैं और जलन व खुजली की समस्या हो सकती है। यह शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकती है। घमौरियां सबसे ज्यादा सीने, पीठ, चेहरे और हाथों पर निकलती है। घमौरियां निकलने पर धूप में जाने से परेशानी और दिक्कत बढ़ती है। ऐसे में अगर आप भी घमौरियों से परेशान हो गए हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घमौरियों से निजात पाने के लिए कुछ घरेलू उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं।

कूल बाथ

घमौरियों से शरीर का बचाव करने के लिए आप कूल बाथ ले सकते हैं। यह आपकी त्वचा को राहत देगा। साथ ही कूल बाथ लेने से रोम छिद्र खुल जाएंगे और हीट रैश में आराम मिलेगा।

डिटॉक्स ड्रिंक्स

इसके साथ ही गर्मियों में घमौरियों की समस्या से बचने के लिए अपने शरीर को डिटॉक्स करना चाहिए। इसके लिए आप रोजाना नींबू पानी का सेवन कर सकते हैं। क्योंकि नींबू पानी आपकी बॉडी के लिए एक अच्छा डिटॉक्स ड्रिंक हो सकता है। यह शरीर को साफ करने के साथ विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक होता है। वहीं नींबू में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स पाया जाता है, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

कॉटन कपड़े

गर्मियों में घमौरियों की समस्या से बचने के लिए कॉटन कपड़े पहनना चाहिए। क्योंकि इस कपड़े में पसीना सोखने के गुण पाए जाते हैं। गर्मी के मौसम में पॉलिस्टर, रेयॉन, सिंथेटिक और जॉर्जेट आदि फैब्रिक पहनने से बचना चाहिए।

शहद

बता दें कि शहद में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है। अगर आप रोजाना शहद का सेवन करने के साथ ही इसको स्किन पर अप्लाई करती हैं, तो घमौरियों में आराम मिलता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट स्किन में होने वाली जलन को दूर करता है।

नारियल तेल

अगर आप भी घमौरियां होने से परेशान हो गए हैं, तो रात में सोने से पहले आप वर्जिन नारियल का तेल लगाएं। इस तेल में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो हीट रैशेज को ठीक करने में मदद करता है। साथ ही इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण स्किन की स्थिति को सुधारने में मदद करता है।

ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल करती है तुलसी के पत्ते, कोलेस्ट्रॉल भी होगा कम

तुलसी के पत्ते सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। कई अध्ययनों में कहा गया है कि तुलसी की पत्तियां खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में अत्यधिक फायदेमंद हैं। इसके साथ ही तुलसी के पत्त ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल करती है। चलिए आपको इस लेख में तुलसी के अनगिनत फायदे बताते हैं।

हममें से कई लोग विभिन्न बीमारियों से पीड़ित हैं जिनका इलाज करना कठिन है। आज के समय में कोलेस्ट्रॉल, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी समस्याएं और कई अन्य बीमारियों से पीड़ित रोगियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। ऐसी कई बीमारियों के लिए तुलसी की पत्तियां फायदेमंद मानी जाती हैं। यह आपको ठीक होने और अपने सामान्य जीवन में वापस आने में मदद कर सकता है।

हम आम तौर पर तुलसी के पत्तों को विभिन्न धार्मिक उद्देश्यों के लिए उपयोग करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि तुलसी में कई पोषक तत्व होते हैं जो कई बीमारियों के लिए दवा के रूप में काम करते हैं? आइए तुलसी के पत्तों के कुछ फायदों पर नजर डालते हैं।

ब्लड शुगर लेवल को बनाए रखता है

हेल्थलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्लड शुगर लेवल का ज्यादा और कम होना इंसान के लिए खतरनाक है। ऐसी बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को नियमित रूप से तुली के पत्तों का सेवन करना चाहिए क्योंकि यह ब्लड शुगर के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है। तुलसी का सेवन प्री-डायबिटिक या टाइप 2 डायबिटीज के रोगियों के लिए शुगर लेवल को बनाए रखने में भी मदद कर सकता है।

तनाव कम करता है

तुलसी का सेवन करने से व्यक्ति को तनाव और चिंता को कम करने में मदद मिल सकती है। यह इंसान को संक्रमण से भी बचाता है और चोट को ठीक करने में भी मदद करता है।

खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है

खराब कोलेस्ट्रॉल अक्सर धमनियों में जमा हो जाता है जिससे हृदय संबंधी गंभीर समस्याएं पैदा होती हैं जो कभी-कभी इंसान के लिए घातक हो सकती हैं। कई अध्ययनों में कहा गया है कि तुलसी की पत्तियां खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में अत्यधिक फायदेमंद हैं।

गठिया रोगियों के लिए उपयोगी

जोड़ों का दर्द सबसे आम समस्याओं में से एक है जो आमतौर पर एक निश्चित उम्र के बाद उत्पन्न होती है। ऐसे दर्द या गठिया से पीड़ित लोग तुलसी के पत्तों का सेवन कर सकते हैं या तुलसी के तेल का उपयोग कर सकते हैं क्योंकि यह जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करता है। तुलसी के पत्तों में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो हड्डियों और जोड़ों की समस्याओं के लिए बहुत उपयोगी होते हैं।

पेट की समस्या

आज के दौर में बहुत से लोग पेट से जुड़ी कई समस्याओं से पीड़ित हैं जो कभी-कभी गंभीर बीमारियों का कारण बन जाती हैं। तुलसी के पत्तों का सेवन पेट के अल्सर को ठीक करने में मदद कर सकता है और एसिडिटी के लिए भी बेहद फायदेमंद है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है

तुलसी में जीवाणुरोधी, एंटीवायरल, एंटिफंगल, सूजन रोधी और दर्द निवारक गुण होते हैं जो शरीर के दर्द से लड़ने और आपकी प्रतिरक्षा को बढ़ाने में मदद करते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के कई नेताओं ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सोनिया गांधी, खरगे, राहुल गांधी और कुछ अन्य कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी के समाधि स्थल वीर भूमि पर जाकर पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी। राहुल गांधी ने अपने पिता के साथ की बचपन की एक तस्वीर एक्स पर साझा करते हुए पोस्ट किया, पापा, आपके सपने, मेरे सपने, आपकी आकांक्षाएं, मेरी ज़िम्मेदारियां। आपकी यादें, आज और हमेशा, दिल में सदा। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, 21वीं सदी के आधुनिक भारत के स्वप्नदृष्टा, भारतीय सूचना क्रांति के जनक, पंचायतीराज सशक्तीकरण के सूत्रधार, एवं शांति व सद्भाव के पुरोधा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के बलिदान दिवस पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि। उन्होंने कहा, भारत को एक सुदृढ़ एवं सशक्त राष्ट्र बनाने में उनके उल्लेखनीय योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

बिना भाषण दिए रैली छोड़कर चले गए राहुल और अखिलेश

लखनऊ। कांग्रेस के राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश के फूलपुर में एक संयुक्त चुनावी सभा अनियंत्रित भीड़ के कारण अपना भाषण दिए बिना ही छोड़नी पड़ी। सूत्रों ने बताया कि पड़िला महादेव में इंडिया ब्लॉक की रैली में समर्थक बैरिकेड तोड़कर मंच तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। रैली में शामिल होने के लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के समर्थक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे थे। जब अखिलेश यादव पहुंचे, तो वे बैरिकेड तोड़कर उनके पास पहुंच गए, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। कांग्रेस नेता रेवती रमण सिंह ने कहा कि उपद्रव के लिए भीड़ की संख्या जिम्मेदार है। उन्होंने कहा, भीड़ बहुत बड़ी हो गई थी और पर्याप्त पुलिस अधिकारी नहीं थे, जिसके कारण भीड़ बेकाबू हो गई और मंच पर चढ़ गई। परिणामस्वरूप, अखिलेश और राहुल को अपना भाषण दिए बिना ही वहां से जाना पड़ा।

सिसोदिया को फिर झटका, 31 तक बढ़ गई न्यायिक हिरासत

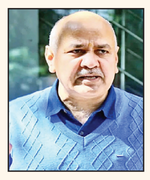

नईदिल्ली। राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की अवधि 31 मई तक बढ़ा दी है। दिल्ली उच्च न्यायालय मंगलवार को अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति से संबंधित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में सिसौदिया की जमानत याचिकाओं पर आदेश पर सुनवाई करने वाला है। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में सिसोदिया को एक साल से अधिक समय पहले गिरफ्तार किया गया था, प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि वह कथित मनी लॉन्ड्रिंग के संबंध में अपनी अगली अभियोजन शिकायत में आम आदमी पार्टी को मामले में आरोपी बनाएगा। इस बीच, दिल्ली उच्च न्यायालय केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके खिलाफ दर्ज किए गए मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार के मामलों में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर आदेश देने वाला है।

स्वाति मालीवाल ने 'आप' पर झूठ फैलाने का लगाया आरोप

नईदिल्ली। अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार पर चल रही जांच के बीच, आप सांसद और पूर्व दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख स्वाति मालीवाल ने दिल्ली के मंत्रियों और आम आदमी पार्टी के नेताओं पर अपनी कार के नंबरों का उपयोग करके उनके रिश्तेदारों की निजी जानकारी ट्वीट करके उनकी जान खतरे में डालने का आरोप लगाया है। मालीवाल ने एक्स को संबोधित करते हुए दिल्ली के मंत्रियों की आलोचना की कि उन्होंने उन्हें सिर्फ इसलिए ट्रोल किया क्योंकि उन्होंने सच बोला था। उन्होंने पोस्ट में कहा, सोमवार से दिल्ली के मंत्री झूठ फैला रहे हैं कि मेरे खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है, इसलिए मैंने बीजेपी के निर्देश पर यह सब किया। उन्होंने आगे कहा कि आप नेता जिस एफआईआर के बारे में बात कर रहे हैं, वह आठ साल पहले 2016 में दर्ज की गई थी, जिसके बाद मुख्यमंत्री और एलजी दोनों ने उन्हें दो बार महिला आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया।

सोरेन की जमानत याचिका पर आज फिर होगी सुनवाई

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अंतरिम जमानत याचिका पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी नहीं हो पायी। इस कारण इस मामले की सुनवाई फिर से बुधवार को होगी। इससे पहले 17 जून को हुई सुनवाई के दौरान ईडी ने अदालत से जवाब दाखिल करने का समय मांगा था। इसके बाद ईडी ने सर्वोच्च न्यायलय में 20 मई को अपना जवाब दाखिल कर दिया। गौरतलब है कि ईडी ने 31 जनवरी की रात पूर्व सीएम को जमीन घोटाला मामले में गिरफ्तार किया था। इससे पहले हेमंत सोरेन की अंतरिम जमानत पर 17 मई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई थी। इस दौरान हेमंत सोरेन की तरफ उनका पक्ष रख रहे वकील कपिल सिब्बल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत के आधार पर उन्हें भी जमानत देने की मांग की। जिसका ईडी के वकील ने जोरदार विरोध किया। ईडी के वकील का कहना था कि हेमंत सोरेन को जमानत देने पर जांच प्रभावित हो सकती है।

बिहार के पूर्वी चंपारण में प्रधानमंत्री का विपक्ष पर बड़ा वार

21वीं सदी का भारत इंडी गठबंधन के पापों के साथ आगे नहीं बढ़ सकता : मोदी

पटना। देश में चल रहे लोकसभा चुनाव के छठे चरण से पहले, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर विपक्ष के नेतृत्व वाले इंडिया गुट पर तीखा हमला बोला। बिहार के पूर्वी चंपारण में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 21वीं सदी का भारत इंडी गठबंधन के पापों के साथ आगे नहीं बढ़ सकता है। आगे बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 4 जून को भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण की राजनीति और टुकड़े-टुकड़े गैंग के खिलाफ निर्णायक रुख अपनाया जाएगा। उन्होंने लोगों से कहा कि आपका ये उत्साह और आशीर्वाद दिखा रहा है कि छठे और सातवें चरण में देश में क्या होने वाला है।

मोदी ने कहा कि पहले चरण में इंडी गठबंधन पस्त हो गया था, इसके बाद के चरणों में इंडी गठबंधन ध्वस्त हुआ और कल हुए पांचवें चरण में इंडी गठबंधन पूरी तरह परास्त हो चुका है। उन्होने कहा कि खुद को जनता का माई-बाप समझने वाले इन लोगों को जनता ऐसी करारी हार देगी कि दुनिया देखती रह जाएगी। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का भारत इंडी गठबंधन के पापों के साथ आगे नहीं बढ़ सकता। इसलिए हर चुनाव में कांग्रेस-आरजेडी जैसे दलों पर जनता जोर का प्रहार कर रही है। 4 जून को इंडी वालों के इरादों पर सबसे बड़ा प्रहार होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये प्रहार होगा - देश में भ्रष्टाचार पर, तुष्टिकरण की राजनीति पर, टुकड़े-टुकड़े गैंग पर, समाज को लड़ाने वाली गंदी सोच पर, सनातन को गाली देने वाली विकृत मानसिकता पर और ये प्रहार होगा अपराधी, माफिया, जंगलराज पर, ये प्रहार होगा महिला विरोधी मानसिकता पर। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में आने के पहले दिन ही बापू को पूरी तरह छोड़ दिया, बापू के आचार-विचार और बापू के आदर्शों को छोड़ दिया था। उन्होंने अपना सारा ध्यान सिर्फ और सिर्फ एक परिवार को आगे बढ़ाने पर लगा दिया। कांग्रेस और उसके साथियों ने मिलकर देश के 60 साल बर्बाद कर दिए। 3-4 पीढ़ियों का जीवन तबाह कर दिया।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब मोदी आया तो हर घर में

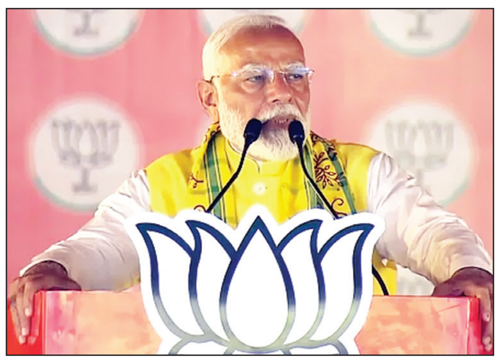

शौचालय पहुंचा, बिजली पहुंची। ये मोदी है, जिसने हर घर में गैस पहुंचाने का बीड़ा उठाया, ये मोदी ही है जो हर घर तक नल से जल पहुंचाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और आरजेडी ने आपको सिर्फ और सिर्फ तरसा कर रखा। 60 वर्षों में इन लोगों ने बड़े-बड़े महल बना लिए, स्विस बैंक में अकाउंट खुल गए। आपके पास पेट भरने को अन्न नहीं था, लेकिन इन लोगों की तिजोरियां और अलमारी नोटों की गड्डियों से भरी हुई हैं। आपके बच्चों के पास पढ़ने के लिए स्कूल नहीं था, लेकिन इनके बच्चे विदेशों में जाकर पढ़ते रहे। गरीब परेशानी और मुश्किल में था, लेकिन इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था।

उन्होंने कहा कि देश में गरीब की पूछ तब शुरू हुई, जब गरीब का ये बेटा प्रधानसेवक के रूप में आपकी सेवा में खपने लगा। पिछले 10 साल में मोदी का बहुत सारा समय पिछली सरकारों के गड्ढे भरने में निकला है। जो काम 10 वर्षों में हुआ है, अब उससे ज्यादा काम अगले 5 वर्षों में होगा। ये मोदी की गारंटी है। अपना हमला जारी रखते हुए मोदी ने कहा कि इन लोगों के पास इस चुनाव में मोदी को गाली देने के सिवाय कोई और मुद्दा नहीं है। कोई कह रहा है कि मोदी की कब्र खोदेंगे...कोई कह रहा है कि मोदी को गाड़ देंगे...कांग्रेस के शहजादे मोदी की आंखों में आंसू देखना चाहते हैं।

इंडी गठबंधन वालों को मैं बर्दाश्त नहीं, 24 घंटे मुझे देते हैं गालियां

बिहार के महाराजगंज लोकसभा सीट पर विशाल जनसभा को संबोधित करते पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं आपको गारंटी देता हूं, मैं आपके लिए दिन-रात मेहनत करूंगा, पहले से भी ज्यादा मेहनत करूंगा। मुझे आपके लिए, आपके भविष्य के लिए, आपके बच्चों के भविष्य के लिए विकसित बिहार बनाना है, विकसित भारत बनाना है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मेरी अपनी कोई विरासत नहीं है, मेरी विरासत भी आप हैं और मेरे वारिस भी आप हैं। इसलिए मुझे आपका और आपके बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाना है। मोदी ने कहा कि जैसे-जैसे 4 जून पास आ रही है, मोदी के लिए इंडी वालों की गालियों और बद्दुआओं की संख्या बढ़ती ही जा रही हैं। इनसे बर्दाश्त नहीं हो रहा है कि मोदी को देश की जनता अगले पांच साल के लिए फिर से चुनने जा रही है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने बिहार को जंगलराज दिया, नौजवानों को पलायन दिया, परिवारों को गरीबी दी। जिन्होंने बिहार के लोगों को मारा, तड़पाया, माताओं-बहनों का जीवन बर्बाद किया। जो लोग आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे हैं, जिन्हें अदालत ने दोषी साबित किया है। इन लोगों की आंखों में मोदी चौबीसों घंटे खटकता है, लेकिन इनकी लाख कोशिशों के बावजूद मैं आपकी सेवा में डटा रहूंगा।नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये भूमि, मेधा की भूमि है, राष्ट्रभक्ति की अविरल गंगा यहां बहती है। ऐसी समृद्ध प्रतिभा वाली धरती की पहचान कांग्रेस और आरजेडी वालो ने रंगदारी टैक्स के लिए बना दी थी। इंडी वालों ने पहले तो यहां से उद्योग-व्यापार का पलायन करवाया और अब ये लोग बिहार के परिश्रमी साथियों का अपमान करने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की मान-मर्यादा, बिहारियों का सम्मान इंडी गठबंधन वालों के लिए कोई मायने नहीं रखता। जब डीएमके के लोगों ने बिहार को गाली दी, जब तेलंगाना के कांग्रेस नेता ने गालियां दीं, तब भी ये शाही परिवार अपने होठों पर ताला लगाकर बैठ गया था।

प्रधानमंत्री पर मल्लिकार्जुन खड़गे का तीखा हमला

भाजपा को बहुमत हासिल करने से रोकने में सफल रहेगा इंडी गठबंधन

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी और इंडिया ब्लॉक के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया में काफी बदलाव आया है और लोकसभा चुनाव में गठबंधन के पक्ष में एक बड़ी लहर है, जो भाजपा को बहुमत हासिल करने से रोकने में सक्षम होगी। एक साक्षात्कार में

उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के पक्ष में आने वाले वे लोग हैं, जो भाजपा और आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ लड़ रहे हैं, जो समाज में नफरत और विभाजन फैलाते हैं।

कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि लोगों को लगता है कि लड़ाई अब लोकतंत्र और संविधान को बचाने की है और उन्होंने इस कारण से उन्होंने कांग्रेस पार्टी को अपना समर्थन दिया है। खड़गे ने भाजपा पर राम मंदिर, हिंदू-मुस्लिम और भारत-पाकिस्तान के नाम पर लोगों को बार-बार भड़काने और उन्हें भावनात्मक रूप से लूटने का भी आरोप लगाया और दावा किया कि वे अब अपना असली रंग समझ गए हैं। उन्होंने कहा, देश भर में यात्रा करने के बाद हमें यह एहसास हो रहा है कि हमारे पक्ष में एक बड़ी लहर है। कांग्रेस पार्टी और इंडिया ब्लॉक के गठबंधन सहयोगियों को इस बार अधिक सीटें मिलेंगी। हम भाजपा को सीटें लेने से रोकने में सक्षम होंगे। मुझे लगता है कि भाजपा अपनी सरकार नहीं बना पाएगी।

खड़गे ने यह भी कहा, यह जनता है, जो हमारे लिए लड़ रही है और यह सिर्फ हम नहीं हैं। लोग उस विचारधारा का समर्थन कर रहे हैं, जिसका हम पालन करते हैं और हमारे लिए लड़ रहे हैं। यह स्पष्ट है कि भाजपा पीछे रह जाएगी और हम आगे बढ़ जाएंगे। यह पूछे जाने पर कि उन्हें विश्वास कहां से मिल रहा है, खड़गे ने कहा कि उनके प्रति लोगों की प्रतिक्रिया और कैसे उन्होंने उनका समर्थन करना शुरू कर दिया है और उनकी विचारधारा के लिए लड़ रहे हैं, इससे उन्हें ऐसा विश्वास मिल रहा है।

इस लोकसभा चुनाव को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने का आह्वान सभी भारतीयों के मौलिक अधिकारों और भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बचाने के लिए है। सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव के पांच चरण खत्म हो चुके हैं। खड़गे ने कहा कि लोग महंगाई और बेरोजगारी से भी परेशान हैं क्योंकि ये इन चुनावों में दो प्रमुख मुद्दे बनकर उभरे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा पहले किए गए वादों को भी पूरा नहीं कर पाई है, चाहे वह दो करोड़ नौकरियां देना हो, विदेश से काला धन वापस लाना हो या किसानों की आय दोगुनी करना हो।

कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी सरकार पर झूठ बोलने और लोगों को बेवकूफ बनाने का भी आरोप लगाया और दावा किया कि लोग उनके इरादों को समझ गए हैं और अब वे उनके सामने बेनकाब हो गए हैं। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, उन्होंने पहले उन्हें भावनात्मक रूप से लूटा और उकसाया, लेकिन अब वे समझ गए हैं। वे बार-बार राम मंदिर, हिंदू-मुस्लिम और भारत-पाकिस्तान के बारे में बात कर रहे हैं। भाजपा एक प्रचार करती है और कांग्रेस द्वारा किए गए अतीत में किये गये कार्यों की सराहना भी नहीं कर रही है। वे मुर्गे, भैंस, मंगलसूत्र, जमीन की बात करते हैं, क्या प्रधानमंत्री इस तरह की बात करते हैं।

इस चुनाव में आरक्षण और संविधान के दो आख्यान प्रमुख चुनावी मुद्दों के रूप में उभरने के साथ, खड़गे ने कहा कि यह सवाल नहीं है कि कौन जीत रहा है। उन्होंने कहा, कौन कहने लगा कि संविधान बदलने के लिए हमें दो-तिहाई बहुमत चाहिए और 400 पार चाहिए। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी आरक्षण की बात कर चुके हैं। खड़गे ने कहा, वे संविधान में लिखी बातों को छीन नहीं सकते, लेकिन उन्हें लागू नहीं कर रहे।

खेल
प्रमुख समाचार

एलिमिनेटर मुकाबले में कोहली होंगे आरसीबी के ट्रंपकार्ड!

नईदिल्ली। संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स के सामने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग प्लेआफ में आत्मविश्वास से भरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की कठिन चुनौती होगी जो चमत्कारिक प्रदर्शन करके यहां तक पहुंची है।

एक समय पर रॉयल्स का शीर्ष दो में रहना तय लग रहा था लेकिन लगातार चार हार और केकेआर के खिलाफ आखिरी मैच बारिश में धुलने के कारण वह सनराइजर्स हैदराबाद के बाद दूसरे स्थान पर रही। दूसरी ओर आरसीबी प्लेआफ से बाहर होने की कगार पर पहुंचने के बाद सनसनीखेज तरीके से चौथे स्थान तक पहुंची। पहले आठ में से सात मैच हारने के बाद फाफ डु प्लेसी की टीम ने गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर प्लेआफ में जगह बनाई। आईपीएल के पहले सत्र 2008 की चैम्पियन रॉयल्स कुछ सप्ताह पहले खिताब की सबसे प्रबल दावेदार मानी जा रही थी लेकिन पिछले चार मैचों में उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की कमजोरियां उजागर हुई। जोस बटलर के इंग्लैंड लौट जाने से उसकी बल्लेबाजी पर असर पड़ा है। अब यशस्वी जायसवाल (348 रन), कप्तान सैमसन (504 रन) और रियान पराग (531 रन) को अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी । सैमसन और पराग के अलावा इंग्लैंड के टॉम होलेर कैडमोर से भी अच्छी पारी की उम्मीद होगी जो जायसवाल के साथ पारी का आगाज कर सकते हैं। शिमरोन हेटमायेर निचले क्रम को मजबूती दे सकते हैं। अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम बाकी मैदानों की तरह बल्लेबाजों की ऐशगाह नहीं है लिहाजा यहां रॉयल्स के गेंदबाज उपयोगी साबित हो सकते हैं । इस मैदान पर इस सत्र में 12 पारियों में सिर्फ दो बार 200 से पार का स्कोर बना है यानी अनुशासित गेंदबाजी करने वाली टीम का पलड़ा भारी हो सकता है। दूसरी ओर आरसीबी के विराट कोहली इस सत्र में 14 मैचों में 708 रन बना चुके हैं और वह ट्रंपकार्ड साबित हो सकते हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/ प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 53 अंक फिसला तो निफ्टी 27 अंक चढ़ा

नई दिल्ली। एशियाई और यूरोपीय बाजारों में कमजोर रुझानों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बीच मंगलवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में भारतीय शेयर बाजार गिरकर बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 52.63 अंक या 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,953.31 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 74,189.19 के हाईएस्ट और 73,762.37 के निचले स्तर तक चला गया था। दूसरी तरफ, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 27.05 अंक या 0.12 प्रतिशत की वृद्धि लेकर 22,529.05 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में नेस्ले, मारुति, इंडसइंड बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर गिरावट में बंद हुए।

जेएसडब्ल्यू सीमेंट राजस्थान में करेगी 3,000 करोड़ का निवेश

नईदिल्ली। जेएसडब्ल्यू सीमेंट राजस्थान के नागौर जिले में सीमेंट विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए करीब 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि एकीकृत सुविधा को ऋण तथा शेयर के मिश्रण से वित्त पोषित किया जाएगा। जेएसडब्ल्यू समूह का हिस्सा जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने एक बयान में कहा, नई सुविधा में 33 लाख टन प्रति वर्ष तक की 'क्लिंकराइजेशन' इकाई और 25 लाख टन प्रति वर्ष तक की 'ग्राइंडिंग' इकाई शामिल है। कंपनी ने कहा कि इस नए संयंत्र से 1,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की भी उम्मीद है। जेएसडब्ल्यू सीमेंट के प्रबंध निदेशक पार्थ जिंदल ने कहा कि यह सबसे महत्वपूर्ण निवेशों में से एक है, जो कंपनी राजस्थान में कर रही है।

अजूनी बायोटेक ने 43.81 करोड़ रुपये जुटाने के लिए राइट्स इश्यू की पेशकश की

नईदिल्ली। पशु स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदाता कंपनी अजूनी बायोटेक ने मौजूदा शेयरधारकों से 43.81 करोड़ रुपये जुटाने के लक्ष्य के साथ मंगलवार को अपना राइट्स इश्यू खोला। कंपनी ने एक बयान में कहा, अजूनी बायोटेक पांच रुपये प्रति शेयर की कीमत पर दो रुपये अंकित मूल्य के 8,76,13,721 पूरी तरह से भुगतान किए गए शेयर की पेशकश करेगी। इनकी कुल कीमत 43.81 करोड़ रुपये बैठती है। राइट्स इश्यू 31 मई को बंद होगा। इसमें कंपनी का प्रवर्तक समूह भी हिस्सा ले रहा है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कंपनी की दीर्घकालिक क्रेडिट सुविधाओं की रेटिंग बढ़ाकर 'क्रिसिल बीबी+/स्टेबल (स्थिर)' कर दी है।

व्हील्स इंडिया का नेट प्रॉफिट चौथी तिमाही में 64.3% बढ़ा

नईदिल्ली। व्हील्स इंडिया लिमिटेड का जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 64.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 36.8 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का पिछले साल इसी अवधि में शुद्ध लाभ 22.4 करोड़ रुपये रहा था। व्हील्स इंडिया लिमिटेड का 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष 2023-24 का शुद्ध लाभ 8.6 प्रतिशत बढ़कर 67.9 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में यह 62.5 करोड़ रुपये था। वित्तीय प्रदर्शन पर कंपनी के प्रबंध निदेशक श्रीवत्स राम ने कहा, " वित्त वर्ष 2023-24 में निर्यात अच्छा रहा। इसमें 24.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अर्थमूवर व्हील, एल्युमीनियम व्हील और हाइड्रोलिक सिलेंडर निर्यात के मोर्चे पर वृद्धि के प्रमुख चालक रहे।" इस बीच, कंपनी ने निदेशक मंडल ने प्रति शेयर 7.39 रुपये के लाभांश की सिफारिश की है।

इब्राहिम रईसी की मौत : वैश्विक बाजार और भारत पर क्या असर पड़ेगा?

कुमार विवेक

ईरान के राष्ट्रपति सैयद इब्राहिम रईसी की एक हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हो गई। उनकी मौत ईरान, इस्राइल, भारत और वैश्विक स्तर की राजनीति पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है। रविवार की देर शाम ईरान के राष्ट्रपति रईसी, विदेश मंत्री हुसैन आमिर-अब्दुल्लाहाई, पूर्वी अजरबैजान के गवर्नर मालेक रहमती समेत 9 लोगों की देश के उत्तर-पश्चिम इलाके में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई।

राष्ट्रपति की मौत के बाद ईरान की राजनैतिक अनिश्चितता तेल बाजारों में अस्थिरता का कारण बन सकती है क्योंकि निवेशक ईरान के तेल उत्पादन और निर्यात पर संभावित प्रभाव का आकलन करते हुए कारोबार में सतर्कता बरत सकते हैं। रईसी के हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सोमवार को शुरुआती एशियाई कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई। ईरान के तेल उत्पादन में कोई भी व्यावधान वैश्विक तेल आपूर्ति और कीमतों को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि ईरान एक प्रमुख तेल उत्पादक देश है। विशेषज्ञों के अनुसार अस्थिरता के बावजूद तेल बाजार में काफी हद तक एक दायरे के भीतर कारोबार होता दिखा। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड सोमवार को 83.77 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर कारोबार करता दिखा।

भू-राजनीतिक अनिश्चितता अक्सर सोने जैसी सुरक्षित धातुओं की कीमतों पर असर डालती है। ऐसी परिस्थितियों में लोग इनमें निवेश को सुरक्षित मानते हुए खरीदारी करने लगते हैं। इससे कीमतों में उछाल आती है। रईसी के हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सोने की कीमतों में मजबूती आई है और यह अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

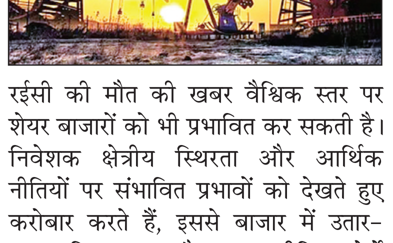

रईसी की मौत की खबर वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों को भी प्रभावित कर सकती है। निवेशक क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक नीतियों पर संभावित प्रभावों को देखते हुए करोबार करते हैं, इससे बाजार में उतार-चढ़ाव दिख सकता है। भू-राजनीतिक मोर्चे से जुड़ी इस अहम घटना के बाद एशियाई बाजारों में सपाट कारोबार होता दिखा। संभवत: इसका कारण वर्तमान में ओपेक के पास अतिरिक्त क्षमता का होना भी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस्लामिक गणराज्य के राष्ट्रपति डॉ सैयद इब्राहिम रईसी के अप्रत्याशित निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मोदी ने भारत-ईरान संबंधों को बढ़ाने में रईसी की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने रईसी के परिवार और ईरान के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की और दुख की इस घड़ी में ईरान के साथ भारत की एकजुटता की पुष्टि की। हाल ही में भारत ने चाबहार बंदरगाह को संचालित करने के लिए ईरान के साथ एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किया है, जो मध्य एशिया के साथ व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक पहल है। पहली बार 2003 में भारत द्वारा इस संबंध में ईरान का को प्रस्ताव दिया गया था। लेकिन संदिग्ध परमाणु गतिविधियों के कारण ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों से यह समझौता लंबे समय तक बाधित रहा। लंबे समय के बाद हाल ही में हुए इस समझौते की अमेरिका ने आलोचना की है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने ईरान के साथ हुए इस समझौते के आलोचना की थी। हालांकि, इसके जवाब में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बंदरगाह के क्षेत्रीय लाभों पर जोर दिया। उन्होंने इस मामले में अमेरिका को व्यापक नजरिया अपनाने को कहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने भी अतीत में चाबहार के रणनीतिक महत्व को देखते हुए उसकी अमेरिकी प्रशंसा की थी। राष्ट्रपति डॉ सैयद इब्राहिम रईसी की असामयिक मृत्यु से चाबहार बंदरगाह परियोजना पर असर पड़ने की संभावना है। इस बंदरगाह को संचालित करने के लिए भारत ने हाल ही में एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावे भारत पेट्रोलियम पदार्थों के मामले में ईरान का बड़ा खरीदार रहा है। अगर ईरान के राष्ट्रपति की मौत का कच्चे तेल की कीमतों और आपूर्ति पर असर पड़ता है, जो जाहिर तौर पर भारत भी इससे प्रभावित होगा।

सड़क दुर्घटना में ग्राम सेमरहा के मृतकों के अंत्येष्टि में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

ग्राम सेमरहा में 17 लोगों का एक साथ हुआ दाह संस्कार

कवर्धा- सोमवार को दोपहर बाहपानी में सड़क दुर्घटना में 19 लोगो की मौत की खबर से पूरे अंचल में शोक व्याप्त है । घटना की सूचना के बाद उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देशन में फौरन जिला प्रशासन का अमला व्यवस्था में लग गया था। घटना की सूचना पाने के बाद उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा अपने सभी कार्यक्रम स्थगित कर रायपुर से घटना स्थल पहुँचे इस दौरान पंडरिया स्वास्थ् केंद्र में जाकर घायलों से भेंटकर चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली । उन्होंने घटना स्थल जाकर दुर्घटना के कारणों को जानने की कोशिश की और देर रात तक सेमरहा मे रहकर एक एक मृतको के घर जाकर परिजनों को हौसला देते रहे। परिजनों ने अपने रीति रिवाज के तहत मंगलवार सुबह अंत्येष्टि कार्यक्रम रखा था। इस अंतिम संस्कार कार्यक्रम में भी उपमुख्यमंत्री अंतिम समय तक ग्राम वासियों परिजनों के साथ खड़े रहे ।

विजय शर्मा ने शोक सभा में श्रद्धांजलि देते हुए कहा यह समय बहुत पीड़ा दायक है ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कही भी और कभी भी ऐसा घटना न हो । उन्होंने कहा इस दुर्घटना में सर्वाधिक माताओं का देहावसान हो गया पूरे

बाहपानी के पास सड़क दुर्घटना में 19 लोगों आकस्मिक निधन दुःखद, इस दुख की घड़ी में हर संभव मदद होगी- विजय शर्मा

गाँव में सबने अपना कोई नजदीकी खोया है मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं अपने परिवार के किसी सदस्य को खोया है मैं बूढ़ा देव से पार्थना करता हूँ इस दुःख की घड़ी से निकलने के लिए ईश्वर संबल प्रदान करें । उन्होंने कहा इस घटना ने न केवल छत्तीसगढ़ वासी बल्कि पूरा देश ने अपनी संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने बताया इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपती मुर्मू,गृह मंत्री अमित शाह और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपनी संवेदना व्यक्त की है

स्थानीय विधायक भावना बोहरा बाहर है वे भी अपने ओर से मदद कर रहे है। मुख्यमंत्री ने परिजनों से मोबाइल के माध्यम से मृतक परिजनों से बात कर 5 लाख प्रति मृतक एवं घायलों को 50 हजार रुपये आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा देर रात तक अस्पताल जाकर मैंने घायलों से भेंट की एक जो रायपुर रिफर है उनको ऑपरेशन की जरूरत है उनके लिए भी बेहतर ईलाज की व्यवस्था कर ली गई है। आज इस अवसर पर मृतको के स्मृति में कुछ बन जाये ऐसी इकच्छा परिजनों से व्यक्त की है वो सब जो गावँ वाले चाहते उसकी भी जल्द व्यवस्था बन जायेगा । जैसा गावँ वाले ,परिजन निर्णय लेंगे उस पर सहयोग करने हम सब साथ खड़े हैं।

उन्होंने इस पूरा घटना पर अश्रुपूरित श्रदांजलि देते हुए परिवार जनों को ढाँढस बंधाया

वनमंत्री कश्यप ने की कवर्धा पहुँचकर पीड़ित परिवारों से भेंट

सरकार पीड़ित परिवारों के साथ, की जाएगी हरसंभव मदद-केदार कश्यप

कवर्धा/ रायपुर। कवर्धा में कुकदूर थाना क्षेत्र में घटित सड़क दुर्घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। आज छत्तीसगढ़ के वनमंत्री केदार कश्यप ग्राम सेमरहा पहुँचकर पीड़ित परिवारों से भेंट किये।केदार कश्यप ने सड़क दुर्घटना को लेकर कहा की यह बहुत ही हृदय विदारक घटना है और निश्चित तौर पर जो क्षति हुई है। उस क्षति को कोई पूरा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि यहां सभी हमारे आदिवासी समाज के भाई बहन हैं। हम यहां पर मंत्री होने के नाते नहीं बल्कि सामाजिक होने के नाते हम उपस्थित हुए हैं। यहां हमारे समाज के सभी लोगउपस्थित हैं और हमारे यहां के विधायक जी भी यहां पर उपस्थित हैं। उन्होंने कहा हमारी कोशिश रहेगी की सरकार की जितनी भी योजनाएं हैं उन योजनाओं का लाभ इनको दिया जाए और उनके परिवार के आर्थिक दृष्टि से मदद की जाए। बच्चों के लालन पालन के दृष्टि से, उनके शिक्षा-दीक्षा को लेकर सरकार की ओर से हर संभव सहायता की जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था का रखें ध्यान,लापरवाही नही बरते- केदार कश्यप ने कहा कि हम इस बात की कोशिश करेंगे की इस तरह से घटना दोबारा ना घटित हो और जो क्षेत्र में जाकर तेंदूपत्ता तोड़ने का काम करते हैं वहां के लिए निर्देश लेकर के आएंगे और यह तो यहां पर चलन में है। यहां से निकल करके दूसरे स्थान पर जाकर तेंदूपत्ता तोड़ते हैं। तेंदूपत्ता आदिवासी समाज के जीविका का बहुत बड़ा माध्यम है और हम लोगों का तो जीवन जंगल पर आधारित है, वन उपज पर आधारित है। भाजपा सरकार ने तो उचित मूल दिया है और कोशिश होगी कि हम उनको और बेहतर सुविधा उपलब्ध कराएं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कवर्धा हादसे के मृतकों के परिजनों से फोन पर की बात कहा -

आप हमें अपना समझें, शोक की घड़ी में हम सब आपके साथ हैं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कबीरधाम जिले के कुकदूर के ग्राम बाहपाली में हुए दु:खद हादसे में मृतकों के परिजनों से फ़ोन पर बात अपनी शोक संवेदना प्रकट की। उन्होंने परिजनों के साथ खड़े रहने की बात कही और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

श्री साय ने फ़ोन पर बात करते हुए कहा कि - बहुत ही दु:खद घटना घटित हुई है, लेकिन होनी को टाला नहीं जा सकता। हम सब आपके साथ हैं, पूरी सरकार आप लोगों के साथ खड़ी है। घटना की जानकारी मिलते ही गृह मंत्री भी आप सभी से मुलाकात करने पहुंचे हैं। आप लोगों को हर संभव मदद की जाएगी। तेंदूपत्ता संग्रहण की राशि के अलावा हमारी सरकार आप सभी को पांच-पांच

लाख रुपए देगी। आप सभी बहुत कष्ट में हैं, लेकिन हमारी शोक संवदेनाएं आप सभी के साथ है। आप सभी हमें अपना समझें। कुछ भी परेशानी हो तो गृह मंत्री जी को बताइये। वे त्वरित आपकी मदद करेंगे। हमारी सरकार आप सभी के लिए उचित मुआवजा की घोषणा कर रही है।

गौरतलब है कि कल दोपहर कबीरधाम के कुकदूर के बाहपाली गांव में तेंदूपत्ता तोड़ने गए श्रमिकों से भरी पिकअप के पलटने से 19 लोगों की मौत हो गई और कई श्रमिक घायल हो गए। घटना के बाद मृतकों के परिजनों के घर पहुंचे उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उनको ढांढस बंधाया और फोन पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से परिजनों की बात कराई। श्री साय ने मृतक के परिवारों को हर संभव मदद करने की बात कही।

झारखंड में भ्रष्टाचार ही शिष्टाचार बन गया है - जायसवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को राजमहल लोकसभा का प्रवासी प्रभारी बनाया गया है।उनके साथ पूर्व मंत्री भैया लाल राजवाड़े भी जुटे हुए हैं। उनकी टीम में रोहित साय, अवधेश चंदेल, भूलन सिंह मरावी, मनोज शर्मा, श्रीमती उद्धेश्वरी शामिल है। इस दौरान उन्होंने जनसंपर्क अभियान में हिस्सा लेते हुए कहा कि झारखंड में भ्रष्टाचार एक तरह से शिष्टाचार का स्वरूप ले लिया है। इस राज्य के बनने का के बाद जब-जब झारखंड मुक्ति मोर्चा और उनके गठबंधन की सरकार आई है। हमेशा विकास थम गया है, हर तरफ भ्रष्टाचार का ही बोलबाला है। अब इस सरकार की विदाई का समय आ गया है।

मोदी की गारंटी ही झारखंड के विकास का दस्तावेज है - संजय श्रीवास्तव- छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं रांची लोकसभा के प्रभारी प्रवासी प्रभारी संजय श्रीवास्तव ने रांची लोकसभा, इचागढ़ विधानसभा के कपाली मंडल, चांडिल मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं मतदाताओं से भेंट करके भाजपा लोकसभा प्रत्याशी संजय सेठ के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी है झारखंड के विकास का महत्वपूर्ण दस्तावेज होगा। इसलिए भाजपा यहां के जनमानस की मजबूत संकल्प के लिए जुटी है। जिसके लिए भाजपा को झारखंड से व्यापक जन समर्थन मिल रहा है। उन्होंने सभी से भाजपा को समर्थन की अपील की है।

जीएमएम व ठगबंधन के पास कोई विजन नहीं है - चंदूलाल साहू- पूर्व सांसद व धनबाद लोकसभा के प्रवासी प्रभारी चंदूलाल साहू विजय भाजपा के संकल्प को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

धनबाद के लोकसभा एवं विधानसभाओं में उनके साथ भारत सिंह सिसोदिया, मनोज गुप्ता, डॉ.ललित मखीजा, यश मनहर, राजेश तिवारी, गुरमीत सिंह सलूजा, अनिल केसरवानी, जनसंपर्क अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। वहाँ जनसंपर्क अभियान में हिस्सा लेते हुए उन्होंने कहा कि यहां के विकास को लेकर झामुमो गठबंधन सरकार के पास कोई विजन नहीं है यहां जिस गति से विकास होना था झारखंड मुक्ति मोर्चा के सरकार के कार्यकाल में नहीं हुआ।

बाबू भैया की कलम से

चुनावों में मातृशक्ति की बढ़ती ताकत, सतर्क होते राजनैतिक दल

भारत की महिलाएं सबल बन रहीं हैं। इसमें अब किसी को कोई शक नहीं है। चुनाव दर चुनाव महिलाओं की बढ़ती ताकत अब साफ नजर आने लगी है। अधिकांश सीटों पर पुरुष से अधिक वोट प्रतिशत यह दर्शाता है कि अबला कही जाने वाली महिलाएं अब स्वयं ही सबल बन चुकी हैं। अपने वोट की कीमत को अच्छी तरह समझने लगी हैं। घर के पुरुषों के इशारे पर वोट डालने वाली महिलाएं ,अब अपनी पसंद को तरजीह देने लगी हैं। अनेक चुनावों के परिणाम इसकी गवाही देते हैं। राजस्थान व हरियाणा जैसे अनेक राज्यों में चेहरे भले ही घूंघट में ढंक कर जाती हों पर अपनी बुद्धि को पर्दे के पीछे सजग रखना उन्होंने सीख लिया है। परम्परागत पहनावे में वोट देने जाती महिलाओं को देख कर अब कोई नहीं बता सकता कि वो अब तक की मान्य परम्पराओं को तोड़ने जा रही हैं। यानी अपने घर के बुजुर्गों -मुखियाओं से परम्परागत ढंग से मिलने वाले कहां वोट देना है के निर्देश की परम्परा तोड़ती दिखाई दे रही हैं। निर्देश की जगह उन्होंने अपने मन की सुनना शुरू कर दिया है। वह जानने लगी है विधानसभा व लोक सभा के चुनाव में मूल अंतर क्या है। विधानसभा में अपनी समस्याओं को दूर करने व लोकसभा में राष्ट्र के निर्माण के साथ राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान होता है। शिक्षित से लेकर अंगूठा लगा कर काम चलाने वाली महिलाओं ने भी अब देश की नब्ज पकड़ना सीख लिया है। उन्हें समझ में आने लगा है कि कौन सा डॉक्टर कहां अच्छा इलाज कर सकता है। हमारे राज्य की बीमारी कौन और राष्ट्र की बीमारी कौन ठीक कर सकता है। देश के पिछले परिणाम इसकी तस्दीक कर भी रहे हैं। 2019 के चुनावों में मात्र 0.16 प्रतिशत मत अधिक देकर महिलाएं पुरुषों से आगे निकल गई। भारतीय महिलाओं ने देश के राजनैतिक परिदृश्य में अपना खासा स्थान बना लिया है। सरकारों के साथ राजनैतिक दलों ने भी इस बढ़ती ताकत को अच्छी तरह समझ लिया। महिलाओं को तब से मिल रही अहमियत का दायरा दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। महिलाओं को मुफ्त में नगद राशि देने की हर कोई पेशकश करता दिखाई दे रहा है। भारत का राजनैतिक परिदृश्य तेजी से महिलाओं पर केंद्रित हो रहा है। राज्य सरकारें हों ,केंद्रीय सरकार हो ,या राज्य स्तरीय या राष्ट्र स्तरीय राजनैतिक दल हों ,सभी महिलाओं को भारी तवज्जो देने में जुटे हैं। देश भर में शायद ही कोई ऐसी जगह शेष हो जहां मातृशक्ति ने अपनी वोट की ताकत का भान न कराया हो। प्रत्येक दल अब मान रहा है कि सत्ता पाना है तो महिलाओं को महत्व देना ही होगा। एक तरह से ये कहा जाए तो अतिशियोक्ति नहीं होगी कि महिलाएं सत्ताधारी दलों की रीढ़ बन गई हैं। हमारे छत्तीसगढ़ में भी देखें तो महिलाओं को प्रतिमाह 1000 की योजना ने प्रदेश में भाजपा की सरकार बना दी। अब लोक सभा में कांग्रेस भी एक लाख देने की बात कर रही है तो भाजपा भी अनेक लोक लुभावने वायदे महिलाओं से कर रही है। लगता है अब सत्ता तक पहुंचने का रास्ता महिलाओं को खुश करने से ही मिल सकता है। युवा महिलाएं अपनी अलग सोच से सरकारों को समर्थन देती है। उनके मन में अपनी समस्याओं के समाधान की सोच होती है। दोनों की सोच ही देश में महिलाओं की इस मौन क्रांति को समर्थन देती दिखाई दे रही है। महिलाओं को अपनी वोट की ताकत की समझ बनी है। राजनीतिज्ञों को भी महिलाओं के वोट की ताकत की जानकारी तो थी पर वे आंख मूंदे पुरुष प्रधान समाज की सोच से जकड़े हुए थे। उनकी आंखें भी अब पूरी तरह खुल चुकी हैं। अब सभी राजनैतिक दल महिलाओं की हालत सुधारने के कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देने लगी हैं जो इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि उनके वोटों की कितनी अहमियत है। यह भारतीय मातृशक्ति के लिए चुनावी राजनीति का स्वर्णिम युग माना जाना चाहिए।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

चिटफंड कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए कुर्की के कार्यवाही को रोका

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा की सरकार बनते ही चिटफंड कंपनियों की संपत्ति कुर्की की कार्यवाही को रोक दिया गया है। कांग्रेस की सरकार ने चिटफंड कंपनियों की संपत्ति को कुर्क करके निवेशकों के पैसे को लौटाया था। भाजपा सरकार में कुकुरमुत्ता की तरह चिटफंड कंपनियां खुली थी और प्रदेश के लाखों निवेशकों के पैसा को लेकर चिटफंड कंपनियां फरार हो गई थी। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने प्रदेश के 81204 पीड़ित निवेशकों को 37 करोड़ 92 लाख 99 हजार 656 रु की राशि लौट आई थी और 208 चित फंड कंपनियों के खिलाफ 462 प्रकरण दर्ज किए थे इनसे संबंधित 700 से अधिक डायरेक्टर और पदाधिकारी के गिरफ्तारी भी हुई थी। भाजपा की सरकार बनते ही एक बार और चिटफंड कंपनियों के लुटेरे को संरक्षण दिया जा रहा है, उनकी संपत्ति को बचाने के लिए कुर्की की कार्यवाही को रोक दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि चिटफंड कंपनियों ने पूर्व भाजपा सरकार की सह में प्रदेश की जनता को लूटने का काम किया है। भाजपा के कई नेता चिटफण्ड कम्पनियों के उद्घाटन करते थे, उनके लिए पूर्व भाजपा सरकार में रोजगार मेला लगता था.

स्वामी आत्मानंद स्कूल बंद करना चाह रही सरकार

रायपुर। भाजपा सरकार स्वामी आत्मानंद स्कूल बंद करना चाह रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि स्कूलों को बंद करने की साजिश के तहत आत्मानंद स्कूलों के शिक्षकों को जब से भाजपा की सरकार बनी है तब से वेतन नहीं दिया जा रहा ताकि संविदा के आधार नियुक्त शिक्षक धनाभाव में स्कूल छोड़ दें और स्कूलों को बंद करने का बहाना खोजा जा सके। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि स्वामी आत्मानंद स्कूल योजना गरीबों और मध्यम वर्ग के बच्चों के लिये संजीवनी है। इस स्कूल में बच्चों को मुफ्त अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई कराया जाता है। निजी स्कूलों में एक बच्चे का अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई में औसतन प्रति माह 8 हजार से 9 हजार रू. का खर्च आता है। गरीब और मध्यम वर्ग के लिये यह खर्च उनकी क्षमता से अधिक हो जाता है। स्वामी आत्मानंद स्कूल में गरीब आदमी अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा दिला पा रहा है और अवसर का फायदा बच्चे भी उठा रहे है, तथा वे सफलता के नये परचम लहराया है। इसको बंद करना जनता के साथ अन्याय है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार स्वामी आत्मानंद स्कूलों को दलीय दुर्भावना से देख रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बैज ने राजीव को भावभीनी श्रद्धांजलि दी

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन रायपुर में आज 21 मई 2024 को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज की उपस्थिति में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी की 33वीं पुण्यतिथि, आतंकवाद विरोध दिवस के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय में पुण्य स्मरण कर श्रद्धांजलि दी गयी एवं चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया गया।। भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर प्रदेश के सभी जिलों एवं ब्लाक कांग्रेस के कार्यालयों में आतंकवाद विरोध दिवस के रूप मनाया गया तथा आतंकवाद विरोध के लिए प्रतिज्ञा किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, महामंत्री कन्हैया अग्रवाल, महमूद अली, रमेश राम महंत संहित कांग्रेसजन उपस्थित थे।

प्रदेश के कई जिलों में बारिश की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि, देश में प्री मानसून की एंट्री हो गई है। केरल के कई जिलों में सोमवार को जमकर बारिश हुई है। मानसून की एंट्री का असर अब छत्तीसगढ़ में देखने को मिलेगा और प्रदेश की जनता को गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में होगी बारिश- मौसम विभाग के अनुसार, बलरामपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, जशपुर, कोरबा, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, रायगढ़, सूरजपुर और सरगुजा जिले में मौसम में बदलाव होगा। मौसम विभाग ने इन जिलों में भारी बारिश होने की संभावना जताई है। आपको बता दें कि पिछले दिनों प्रदेश की तापमान में गिरावट देखने को मिली है। हालंकि लोगों को गर्मी से अभी भी राहत नहीं मिली है। लेकिन अगले कुछ दिनों में प्रदेश के कई जिलों बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिलने की संभावना है।

4 अलग-अलग स्थानों पर अवैध प्लाटिंग पर लगाई रोक

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर जिले में अवैध प्लाटिंग पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन की टीम ने जिले में 4 अलग-अलग स्थानों पर अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई करते हुए रोक लगाई गई है। रायपुर तहसील अंतर्गत उरकुरा में अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई करते हुए तत्काल रोक लगाई गई है। धरसींवा के मांढर में निजी भूमि पर की गई अवैध प्लाटिंग पर रोक लगाते हुए कार्रवाई की गई है। कोटा और अमलीडीह में भी अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई करते हुए मुरूम की रास्ते को नष्ट किया गया। कलेक्टर के निर्देश पर यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। इस कार्रवाई में राजस्व अमला, नगर निगम, ग्राम पंचायत की टीम उपस्थित रही है।

मतगणना के लिए अधिकारियों को दिया गया ट्रेनिंग हर राउंड में टेबुलेशन चार्ट में अभिकर्ता करेंगे हस्ताक्षर

रायपुर। रायपुर जिले की लोकसभा निर्वाचन-2024 की मतगणना चार जून को सेजबहार स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में होगी। इसके लिए न्यू सर्किट हाउस ऑडिटोरियम में आरओ, डिप्टी डीईओ, एआरओ, एएआरओ, ईव्हीएम प्रभारी, पीबी नोडल, टेबुलेशन प्रभारी, सुरक्षा नोडल, टेक्निकल टीम, मास्टर ट्रेनर, डीआईओ और डीपीआरओ सहित अन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि लोकसभा

चुनाव में मतदान कर्मियों को ट्राली इत्यादि और मतदान केन्द्र में जो सुविधा दी गई, उसका सकारात्मक प्रतिसाद मिला है। कलेक्टर ने कहा कि अब मतगणना होनी है, यह निर्वाचन का अंतिम और सबसे मुख्य हिस्सा है। इसे गंभीरतापूर्वक निर्वहन करें। सबसे मुख्य बात यह है कि मतगणना के दौरान संयमित व्यवहार करें। राजनैतिक दलों के अभिकर्ता को स्पष्ट जानकारी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि हर राउण्ड के बाद उनके टेबुलेशन चार्ट पर अवश्य हस्ताक्षर लें। मतगणना का कार्य संवेदनशील है अत: बहुत ही सावधानीपूर्वक इस कार्य को क्रियान्वित करें। राज्य निर्वाचन आयोग से आए प्रशिक्षकगणों गीता दीवान, विनय अग्रवाल, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़, रुपेश कुमार वर्मा, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़, विनोद अगलावे, सिस्टम मैनेजर, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ ने मतगणना की प्रक्रिया को बारीकी से समझाया। प्रशिक्षण स्थल पर मतगणना हॉल का मॉडल भी बनाया गया था, जिसमें डाकमत पत्र गणना टेबल , ईव्हीएम का गणना टेबल एवं वीवीपैट काउंटिंग बूथ को दर्शाया गया है। इस प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर किर्तीमान राठौर, देवेन्द्र पटेल एवं निधी साहू, उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे, उप ज़िला निर्वाचन अधिकारी बलौदबाजार, आर आर दुबे सुरक्षा नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक(ग्रामीण) कीर्तन राठौर अलावा प्रशिक्षण में आरओ एवं सभी 09 विधान सभा के एआरओ मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्रत्याशियों एवं निर्वाचन अभिकर्ताओं को उपलब्ध कराया जाएगा कैल्कुलेटर

रायपुर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतगणना के दिन मतगणना केंद्रों में पासधारी अभ्यर्थियों, निर्वाचन अभिकर्ताओं और मतगणना अभिकर्ताओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मतगणना हॉल के भीतर मतगणना के परिणाम का योग करने के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी एवं उनके निर्वाचन अभिकर्ता को एक-एक एनालॉग केल्कुलेटर प्रदान करने की व्यवस्था करने को कहा है। मतगणना हॉल के भीतर पासधारी अभ्यर्थियों, निर्वाचन अभिकर्ताओं व मतगणना अभिकर्ताओं को कोरा कागज, मतपत्र लेखा प्रारूप 17सी भाग-1 की प्रति, रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा प्रदाय किए गए ईवीएम और वीवीपैट की सूची जो विभिन्न मतदान केन्द्रों में प्रयोग में लाई गई है तथा प्लास्टिक पेन या पेंसिल ले जाने की अनुमति रहेगी।

मतगणना हॉल के भीतर ये सामग्री ले जा सकेंगे- पासधारी अभ्यर्थी, निर्वाचन अभिकर्ता एवं मतगणना अभिकर्ता कोरा कागज, मतपत्र लेखा प्रारूप 17सी भाग-1 की प्रति, रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा प्रदाय किए गए ईवीएम और वीवीपैट की सूची जो विभिन्न मतदान केन्द्रों में प्रयोग में लाई गई है, प्लास्टिक पेन या पेंसिल

ये सामग्री रहेंगी प्रतिबंधित- मतगणना हॉल में मोबाइल फोन, आईपेड, लैपटॉप, स्मार्ट वॉच, कैमरा, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बीड़ी, सिगरेट और गुटका प्रतिबंधित रहेगा।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.